महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने श्री छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा का अनावरण किया।

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

R.N.I. No. 64278/96 वर्षः28 अंकः 210 दिनांकः 05-12-2023 मंगलवार मूल्य : 1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 वडोदरा M

बंगाल की दक्षिणी खाड़ी के ऊपर गहरा दबाव अब चक्रवाती तूफान बन चुका है। प्रशासन इसकी निगरानी कर रहा है। प्रशासन संभावित प्रभावों के कारण निगरानी की जा रही है। चक्रवात के कारण तमिलनाडु में अब तक अलग-अलग घटनाओं में पांच लोगों की मौत हो गई है।

चक्रवाती तूफान मिचौंग के कारण चेन्नई में मची तबाही

दीवार गिरने से दो मजदूरों की मौत

चेन्नई (ईएमएस)। जैसे ही बंगाल की खाड़ी के ऊपर गहरे दबाव का क्षेत्र चक्रवाती तूफान मिचौंग में बदल गया और चेन्नई में भारी बारिश हुई। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, 5 दिसंबर को चक्रवात मिचौंग के तट से टकराने के साथ 80-90 किमी प्रति घंटे की गति से 100 किमी प्रति घंटे तक तेज हवाएं चलने और बारिश होने की संभावना है।

भारी बारिश और तेज हवाओं के कारण कनाथूर में एक नवनिर्मित दीवार गिरने से दो लोगों की मौत हुई और एक व्यक्ति घायल हो गया। मरने वाले लोग झारखंड के रहने वाले थे। आईएमडी ने भविष्यवाणी की है कि शहर और इसके पड़ोसी जिलों में अगले 24 घंटों में अत्यधिक भारी बारिश होगी। भारी बारिश और तेज हवा के कारण चेन्नई हवाई अड्डे पर उड़ान संचालन प्रभावित हुआ है। कई उड़ानें रद्द कर दी गईं और कुछ अन्य का मार्ग परिवर्तित कर दिया गया।

राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) की टीमों को शहर में तैनात किया गया था। एनडीआरएफ की टीमों ने गंभीर जलजमाव के कारण फंसे पीरकनकरनई और पेरुंगलाथुर के पास तांबरम इलाके से लगभग 15 लोगों को बचाया। खतरे के स्तर से ऊपर बह रहे पानी को देखते हुए सुरक्षा कारणों से बेसिन ब्रिज और व्यासरपाडी के बीच पुल नंबर 14 को निलंबित कर दिया गया है।

चेन्नई से शुरू हो रही मैसूरु शताब्दी एक्सप्रेस, कोयंबटूर कोवई एक्सप्रेस, कोयंबटूर शताब्दी एक्सप्रेस, केएसआर बेंगलुरु एसी डबल डेकर एक्सप्रेस, केएसआर बेंगलुरु बृंदावन एक्सप्रेस, तिरुपति सप्तगिरि एक्सप्रेस को रद्द कर दिया गया। इस बीच, जलभराव के कारण 14 सबवे बंद कर दिए गए। शहर के कुछ हिस्सों में बिजली गुल हो गई जबकि कई निचले इलाकों में पानी भर गया।

पड़ोसी जिलों कांचीपुरम, चेंगलपट्टू और तिरुवल्लूर में भी भारी बारिश हुई। इसके अतिरिक्त, दक्षिण रेलवे ने भारी बारिश और जलभराव के कारण सोमवार सुबह 8 बजे तक सभी चेन्नई उपनगरीय खंडों में उपनगरीय ट्रेन सेवाओं को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया। दक्षिण रेलवे के मुताबिक, इन खंडों में केवल विशेष यात्री ट्रेनें ही संचालित की जाएंगी।

पीएम मोदी के सदन में पहुंचते ही लगे तीसरी बार मोदी सरकार' के नारे

नई दिल्ली (ईएमएस)। मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान के विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जीत से उत्साहित पार्टी के सदस्यों ने लोकसभा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के समर्थन में सोमवार को जमकर नारेबाजी की। प्रधानमंत्री के सदन में आने के बाद भाजपा सांसद और मंत्री अपने स्थान पर खड़े हो गए और 'बार-बार मोदी सरकार, तीसरी बार मोदी सरकार' तथा 'एक गारंटी, मोदी की गारंटी' जैसे नारे लगाने लगे।

भाजपा सदस्यों ने नारेबाजी करने के साथ ही तालियां भी बजाईं। भाजपा सदस्यों की नारेबाजी के समय सदन में प्रधानमंत्री मोदी के अलावा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह और सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी भी मौजूद थे। मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी को बहुमत मिला है। तब तेलंगाना में कांग्रेस ने जीत हासिल की। सदन की कार्यवाही आरंभ होने से पहले संसद परिसर में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि चार राज्यों के विधानसभा चुनाव के नतीजे 'बहुत ही उत्साहवर्धक' रहे हैं। उन्होंने कहा, देश ने नकारात्मकता को नकारा है। सत्र के प्रारंभ में विपक्ष के साथियों के साथ हमारा विचार-विमर्श होता है। हमारी टीम विपक्ष के सांसदों से चर्चा करती है। मिलकर सबके सहयोग के लिए हम हमेशा प्रार्थना करते हैं। इस बार भी इस प्रकार की सारी प्रक्रियाएं कर ली गई हैं।

शीतकालीन सत्र की हंगामेदार रही शुरुआत

-महुआ-बिधूड़ी मामले पर सरकार और विपक्ष आए आमने-सामने

नई दिल्ली,(ईएमएस)। संसद का शीतकालीन सत्र सोमवार सुबह शुरू हुआ और हंगामें के बीच 12 बजे तक के लिए सदन की कार्रवाई को स्थगित कर दिया गया। सदन की कार्रवाई के दौरान आम आदमी पार्टी के सांसद सुशील गुप्ता ने मनीष सिसोदिया और संजय सिंह को रिहा किए जाने संबंधी मांग रखी, ऐसा ना होने की स्थिति में उन्होंने विरोध प्रदर्शन की बात कही। इससे पहले सत्र शुरू होते ही लोकसभा सांसद दानिश अली ने भाजपा सांसद रमेश बिधूड़ी के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शन किया।इसके अलावा महुआ मोइत्रा पर एथिक्स कमेटी की रिपोर्ट को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष में टकराव हुआ।

संसद का शीतकालीन सत्र शुरु होते ही सांसद दानिश ने विवादित और अपमानजनक टिप्पणी को लेकर हंगामा किया और बिधूड़ी के खिलाफ कार्रवाई की मांग रखी।यहां आपको बतलाते चलें कि बीते सत्र के दौरान चंद्रयान-3 पर चर्चा करते हुए भाजपा सांसद बिधूड़ी ने अली के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियां की थीं।

इसके अतिरिक्त सदन में आम आदमी पार्टी के सांसद सुशील गुप्ता ने सिसोदिया और संजय सिंह को रिहा किए जाने की मांग रखी, मांग नहीं माने जाने की स्थिति में उन्होंने विरोध प्रदर्शन की बात कही।जबकि सांसद अली ने महुआ मोइत्रा मामले पर सदन में चर्चा कराने की भी मांग रखी।यहां एथिक्स कमेटी की रिपोर्ट पर भी भाजपा और विपक्ष में टकराव की स्थिति बनी और सदस्य आमने-सामने आते हुए दिखे।कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने महुआ की सदस्यता रद्द किए जाने की स्थिति में फैसले का विरोध करने की बात कही।गौरतलब है कि एथिक्स कमिटी ने पैसे लेकर सवाल पूछने के मामले में महुआ की संसद सदस्यता रद्द करने की मांग की है।एथिक्स रिपोर्ट को आज ही सदन के पटल पर रखा जाना था, लेकिन हंगामे के चलते मामला मंगलवार तक के लिए टल गया।

शीतकालीन सत्र में ये बिल होंगे पेश?

जानकारी अनुसार संसद के शीतकालीन सत्र में 19 बिल पेश किए जाने हैं।इसके साथ ही 2 फाइनेंशियल आइटम्स भी पेश किये जाएंगे।पेश किये जाने वाले बिलों में भारतीय न्याय संहिता विधेयक 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता विधेयक 2023 और भारतीय साक्ष्य विधेयक 2023 शामिल हैं।इनके अतिरिक्त जम्मू एंड कश्मीर रिजर्वेशन (अमेंडमेंट) बिल, 2023 के साथ ही अनेक बिलों पर चर्चा की जाना है।

इनके अतिरिक्त प्रेस एंड रजिस्ट्रेशन ऑफ पीरियाडिकल्स बिल, 2023, एडवोकेट्स (अमेंडमेंट) बिल, 2023, पोस्ट ऑफिस बिल, 2023, चीफ इलेक्शन कमिश्नर एंड अदर इलेक्शन कमिशनर्स (अपॉइनमेंट कंडीशन ऑफ सर्विसेज एंड टर्म ऑफ ऑफिस) बिल, 2023, बॉइलर्स बिल, 2023, प्रोविजनल कलेक्शन ऑफ टेक्सेज बिल, 2023, सेंट्रल गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (सेंकड अमेंडमेंट) बिल, 2023 एवं गवर्नमेंट ऑफ यूनियन टेरिटरीज (अमेंडमेंट) बिल, 2023 विधेयकों पर भी चर्चा होगी।

भाजपा संसदीय दल की बैठक में शिवराज सहित पांच नामों पर होगा मंथन

मप्र के नए सीएम के नाम पर आज हो सकता है फैसला

भोपाल (ईएमएस)। मध्यप्रदेश में विधानसभा चुनाव में 163 सीटों के साथ दो तिहाई बहुमत मिलने के बाद मप्र में नया मुख्यमंत्री कौन होगा? इसको लेकर भाजपा में भोपाल से दिल्ली तक राजनीतिक कवायद तेज हो गई है। भाजपा के सभी केंद्रीय पदाधिकारी और मंत्री दिल्ली पहुंच गए हैं। माना जा रहा है कि कल होने वाली भाजपा संसदीय दल की बैठक में हो सकती है, जिसमें मप्र के नए मुख्यमंत्री के नाम पर फैसला हो सकता है। लेकिन इसके पहले केंद्रीय पर्यवेक्षक के नाम तय होंगे। जिनकी उपस्थिति में भाजपा विधायक दल की बैठक होगी और मुख्यमंत्री के नाम का ऐलान किया जाएगा। भाजपा के केंद्रीय पदाधिकारी शिवप्रकाश, केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव और अश्विनी वैष्णव दिल्ली पहुंच गए हैं।

पीएम मोदी की गांरटी से झूमा, शेयर बाजार

बीएसई सेंसेक्स 1,384 अंक मजबूत

मुंबई (ईएमएस)। घरेलू बाजार में सोमवार को लगातार पांचवें दिन तेजी दिखाई दी। मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनावों में भाजपा की जीत से निवेशक उत्साहित दिखाई दिए। विदेशी निवेशकों की लगातार खरीदारी और कच्चे तेल की कीमतों के 80 डॉलर प्रति बैरल से नीचे रहने से भी बाजार को मजबूती मिली।

तीन हिंदी भाषी राज्यों में भाजपा की क्लीन स्वीप के बाद इक्विटी बाजार सोमवार को इंट्राडे कारोबार में नए शिखर पर पहुंच गए। सोमवार के कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 1,384 अंक मजबूत हुआ। वहीं, निफ्टी में भी 418 अंक की बढ़त दर्ज की गई। व्यापक बाजारों में, बीएसई मिडकैप इंडेक्स इंट्राडे में 35,124 के नए शिखर पर पहुंच गया, जबकि बीएसई स्मॉलकैप इंडेक्स ने 41,222 का नया ऑलटाइम हाई का रिकॉर्ड बनाया। दोनों सूचकांक 1.2 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुए।

बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 1383.93 अंक की भारी बढ़त के साथ 68,865.12 अंक के नए शिखर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 68,918.22 की ऊंचाई तक गया और नीचे में 68,274.47 तक आया।

वहीं, दूसरी तरफ नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के निफ्टी में भी 418.90 अंक की शानदार बढ़त दर्ज की गई। निफ्टी दिन के अंत में 20,686.80 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी 20,702.65 की ऊंचाई तक गया और नीचे में 20,507.75 तक आया। सेंसेक्स कंपनियों में आईसीआईसीआई बैंक और एसबीआई में सबसे ज्यादा क्रमशः 4.68 प्रतिशत और 3.99 प्रतिशत की तेजी रही। लाभ में रहने वाले अन्य प्रमुख शेयरों में लार्सन एंड टुब्रो, कोटक महिंद्रा बैंक और एचडीएफसी बैंक शामिल हैं। दूसरी तरफ, विप्रो और टाटा मोटर्स और टाइटन नुकसान में रहे।

एशिया के अन्य बाजारों में हांगकांग का हैंगसेंग, जापान का निक्की, चीन का शंघाई कंपोजिट सूचकांक नुकसान में रहे। यूरोप के प्रमुख बाजारों में जर्मनी और फ्रांस में जहां तेजी रही वहीं लंदन बाजार में गिरावट रही। अमेरिकी बाजार में शुक्रवार को मिला-जुला रुख रहा।

एमएनएफ को हराकर मिजोरम में जेडपीएम बनाएगी सरकार

-विधानसभा चुनाव के नतीजे आए, 27 सीटों पर जीतकर हा?सिल ?किया बहुमत

आइजोल (ईएमएस)। ?मिजोरम में जेडपीएम सरकार बनाने जा रही है। यहां पर उसने 27 सीटें जीतकर स्पष्ट बहुमत हा??सिल कर ?लिया है। गौरतलब है ?कि आईपीएस अधिकारी से नेता बने लालडुहोमा के नेतृत्व वाले ?मिज़ोरम पीपुल्स मूवमेंट (जेडपीएम) के सत्तारूढ़ मिजो नेशनल फ्रंट (एमएनएफ) को हराने के बाद पहली बार मिजोरम में अगली सरकार बनाने के लिए तैयार है। मिज़ोरम चुनाव 2023 रुझानों के अनुसार जेडपीएम ने स्पष्ट बहुमत हा?सिल ?किया है। जेडपीएम ने 27 सीटों पर जीत दर्ज कर ली है। वहीं एमएनएफ ने 10 सीटों पर जीत दर्ज कर ली है। जबकि बीजेपी ने 2 सीटों तथा कांग्रेस ने 1 सीट पर जीत दर्ज की है। आइजोल में एक जेडपीएम नेता ने कहा कि लालडुहोमा सेरछिप से राजधानी जा रहे हैं और वह नई सरकार के गठन पर निर्णय लेने के लिए निर्वाचित विधायकों और पार्टी नेताओं के साथ बैठक करेंगे। मिजोरम विधानसभा चुनाव के लिए सोमवार को वोटों की गिनती चल रही है, रुझानों से पता चला है कि विपक्षी कांग्रेस केवल एक सीट पर आगे चल रही है, जबकि भाजपा ने एक सीट जीत ली है और एक अन्य पर आगे है।

जेडपीएम के अध्यक्ष और पार्टी के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार लालडुहोमा ने बहुकोणीय मुकाबले में अपने निकटतम एमएनएफ प्रतिद्वंद्वी जे। माल्सावमजुआला वानचावंग को 2,983 मतों के अंतर से हराकर अपनी सेरछिप सीट बरकरार रखी, जबकि पार्टी के अधिकांश प्रमुख उम्मीदवार अपनी-अपनी सीटों पर आगे चल रहे हैं। आईपीएस अधिकारी से नेता बने लालडुहोमा, जिन्होंने 8,314 वोट हासिल किए, लगातार दूसरी बार राज्य विधानसभा के लिए चुने गए। जेडपीएम के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार लालडुहोमा ने अपनी सीट जीतने के बाद मीडिया को बताया कि वह मंगलवार या बुधवार को राज्य के राज्यपाल से मिलकर सरकार बनाने का दावा पेश करेंगे और शपथ ग्रहण समारोह इसी महीने आयोजित किया जाएगा। एमएनएफ उम्मीदवार और मुख्यमंत्री ज़ोरमथांगा आइजोल ईस्ट-1 सीट पर पीछे चल रहे हैं, जहां जेडपीएम उम्मीदवार लालथनसांगा आगे चल रहे हैं।

वहीं उपमुख्यमंत्री और एमएनएफ उम्मीदवार तावंलुइया भी तुइचांग सीट पर पीछे चल रहे हैं, जहां जेडपीएम के डब्लू चुआनावमा आगे चल रहे हैं। एमएनएफ के कई अन्य मंत्री भी अपनी-अपनी सीटों पर पीछे चल रहे हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष लालसावता अपनी आइजोल पश्चिम-तीन सीट जेडपीएम उम्मीदवार वी।एल।ज़ैथनज़ामा से 4,582 वोटों के अंतर हार गए। 2018 के चुनावों में, एमएनएफ को 40 सदस्यीय विधानसभा में से 26 सीटें मिलीं, जबकि जेडपीएम को आठ सीटें मिलीं। कांग्रेस को पांच सीटें मिली थीं और बीजेपी एक सीट जीतने में कामयाब रही थी। य?हां 7 नवंबर को हुए वोटों की गिनती राज्य के सभी 11 जिलों में व्यापक सुरक्षा व्यवस्था के बीच सुबह 8 बजे शुरू हुई।

देश की आधी आबादी पर राज कर रहा भगवा दल, कांग्रेस की हिस्सेदारी सिर्फ 8.51 प्रतिशत जनसंख्या पर

नई दिल्ली (ईएमएस)। विधानसभा चुनाव परिणाम 2023 घोषित हुए, और भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) न सिर्फ दो नए राज्यों में सरकार बनाने का अधिकार पा गई, बल्कि अब देश की 41 प्रतिशत से अधिक आबादी पर खुद अपने बूते राज करने जा रही है। इतना ही नहीं गठबंधन सहयोगियों के लिहाज से शासन चलाने का पहलू देखने पर भाजपा का शासन अब देश की आधी से ज्यादा आबादी पर हो गया है। इसके विपरीत, कांग्रेस का शासन खुद के बूते देश की सिर्फ 8.51 प्रतिशत जनसंख्या पर रह गया है, हालांकि गठबंधन सहयोगियों के बूते कांग्रेस अब भी 19.84 प्रतिशत हिन्दुस्तानियों पर राज कर रही है।

अगर हम पहले यह देखने कि बीजेपी का राज देश की आधी से ज्यादा आबादी पर कैसे है, तब सबसे पहले देखते हैं कि वह अपने बूते कहां-कहां शासन कर रही है। वर्तमान में देश के 12 राज्यों में बीजेपी की अपनी सरकार होगी, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, असम, छत्तीसगढ़, हरियाणा, उत्तराखंड, त्रिपुरा, मणिपुर, गोवा और अरुणाचल प्रदेश हैं। अगर 2011 की जनगणना के लिहाज से देखने पर उत्तर प्रदेश में उस वक्त हिन्दुस्तान की 16.51 प्रतिशत आबादी बसती थी, तब आज भी देश की बढ़ी हुई आबादी का इतना ही प्रतिशत उत्तर प्रदेश में बसता होगा।

इस लिहाज से यूपी में देश की 16.51 प्रतिशत, एमपी में छह प्रतिशत, राजस्थान में 5.66 प्रतिशत, गुजरात में 4.99 प्रतिशत, असम में 2.58 प्रतिशत, छत्तीसगढ़ में 2.11 प्रतिशत, हरियाणा में 2.09 प्रतिशत, उत्तराखंड में 0.83 प्रतिशत, त्रिपुरा में 0.3 प्रतिशत, मणिपुर में 0.21 प्रतिशत, गोवा में 0.12 प्रतिशत तथा अरुणाचल प्रदेश में 0.11 प्रतिशत रहती है, और इस तरह बीजेपी देश की कुल 41.51 प्रतिशत आबादी पर अपने खुद के बूते शासन कर रही है। इन 12 राज्यों के अलावा, भाजपा महाराष्ट्र (9.28 प्रतिशत), मेघालय (0.25 प्रतिशत), नागालैण्ड (0.16 प्रतिशत) तथा सिक्किम (0.05 प्रतिशत) में रहने वाली कुल 9.74 प्रतिशत आबादी पर गठबंधन के द्वारा भी राज कर रही है, इस हिसाब से बीजेपी का राज कुल मिलाकर देश की आधी से ज्यादा यानी 51.25 प्रतिशत आबादी पर हो गया है।

अपने सहयोगियों को दरकिनार करने के कारण हारी कांग्रेस : ममता बनर्जी

2024 में नहीं आएगी मोदी सरकार

नई दिल्ली (ईएमएस)। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख और मुख्य मंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि कांग्रेस इंडिया गठबंधन के सदस्यों के साथ सीट-बंटवारे की व्यवस्था की कमी के कारण तीन राज्यों में प्रमुख विधानसभा चुनाव हार गई। उन्होंने जोर दिया कि यह कांग्रेस की हार है, लोगों की नहीं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने तेलंगाना जीत लिया है। वे मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान जीत चुके होते। कुछ वोट इंडिया की पार्टियों ने काटे। यह सच है। हमने सीट-बंटवारे की व्यवस्था का सुझाव दिया था। वोटों के बंटवारे के कारण वे हार गए।

ममता ने कहा, विचारधारा के साथ-साथ आपको रणनीति की भी जरूरत है। उन्होंने कहा, अगर सीट-बंटवारे की व्यवस्था होती है, तब बीजेपी 2024 में सत्ता में नहीं आएगी। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन अगले साल आम चुनाव से पहले मिलकर काम करेगा और गलतियों को सुधारेगा। ममता की टिप्पणी कांग्रेस को तीन प्रमुख राज्यों मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में हार का सामना करने के बाद आई है। पार्टी मिजोरम में सभी 40 सीटों पर चुनाव लड़ने के बाद सिर्फ एक सीट जीतने में सफल रही। उसकी एकमात्र सांत्वना तेलंगाना में जीत है।

विधानसभा चुनाव के दौर में कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों ने कई सीटों पर अलग-अलग चुनाव लड़ा था। कई लोगों ने बताया है कि इससे वोटों में विभाजन हुआ और भाजपा को फायदा हुआ। जैसे ही रुझानों में कल भाजपा की जीत की ओर इशारा किया गया, भारतीय गुट के भीतर हंगामा शुरू हो गया, कई सहयोगियों ने चुनावों से पहले खुद को दूर करने के लिए कांग्रेस की आलोचना की। जनता दल-यूनाइटेड के केसी त्यागी ने कहा कि कांग्रेस ने भारत की अन्य पार्टियों को नजरअंदाज किया, लेकिन अपने दम पर जीतने में असमर्थ रही। केरल के मुख्यमंत्री और सीपीएम नेता पिनाराई विजयन ने कहा कि हिंदी पट्टी में बीजेपी से मुकाबला करते समय साथ मिलकर लड़ना जरूरी है।

तेलंगाना में नवनिर्वाचित विधायकों की बैठक, खरगे के ऊपर छोड़ सीएम चुनने का फैसला

हैदराबाद (ईएमएस)। कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) ने तेलंगाना में राज्य सरकार के गठन पर चर्चा के लिए सोमवार को तेलंगाना में नवनिर्वाचित विधायकों के साथ बैठक बुलाई। बैठक का नेतृत्व एआईसीसी पर्यवेक्षक और कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार और तेलंगाना के एआईसीसी प्रभारी माणिकराव ठाकरे ने किया। बैठक के बाद डीके ने कहा, विधायकों ने सर्वसम्मति से संकल्प लिया है कि वे चाहते हैं कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे तेलंगाना के मुख्यमंत्री का चयन करें।

यह प्रस्ताव तेलंगाना कांग्रेस अध्यक्ष रेवंत रेड्डी ने रखा और बैठक में उपस्थित सभी विधायकों ने इसका समर्थन किया। शिवकुमार ने कहा कि जबकि प्रक्रिया जारी है, नवनिर्वाचित विधायकों ने इस दृष्टिकोण पर सहमति व्यक्त की है। यह सुनिश्चित करने के प्रयास में कि हर आवाज सुनी जाए, सभी 64 विधायक मुख्यमंत्री पद के लिए अपने पसंदीदा उम्मीदवार पर अपनी राय साझा करने के लिए डीके से व्यक्तिगत रूप से मिलने वाले है। यह सामूहिक निर्णय तेलंगाना विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी की जीत के बाद आया है, इस रेवंत रेड्डी ने कांग्रेस सुनामी कहा है।

शिवकुमार ने कहा कि हम यहां अपनी सरकार बनाने की अनुमति देने के लिए राज्य के लोगों को धन्यवाद देते हैं। नवनिर्वाचित कांग्रेस पार्टी के सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे को कांग्रेस विधायक दल का नेता नियुक्त करने के लिए अधिकृत करने का संकल्प लिया। सभी ने तय किया है कि आलाकमान जो भी फैसला करेगा, हम उसके अनुसार चलने हैं। कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रेड्डी ने अपने दल की प्रमुख नेता सोनिया गांधी और अध्यक्ष खरगे का आभार जताकर कहा कि सरकार गठित करने के बाद उनकी पार्टी तेलंगाना के लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करेगी। मुख्यमंत्री पद के प्रबल दावेदार माने जा रहे रेड्डी ने कहा कि कांग्रेस की जीत 'तेलंगाना के शहीदों' को समर्पित है। उन्होंने कहा कि पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो यात्रा' ने राज्य में पार्टी को मजबूती प्रदान की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस द्वारा दी गई 'छह गारंटी' और राहुल गांधी तथा पार्टी के अन्य प्रमुख नेताओं द्वारा किए गए वादों को भी पार्टी पूरा करेगी।

ट्रेनी विमान दुर्घटनाग्रस्त, 2 वायुसैनिक प्रशिक्षुओ की मृत्यु

हैदराबाद (ईएमएस)। भारतीय वायु सेना (आईएएफ) का एक प्रशिक्षण विमान हैदराबाद से लगभग 60 किलोमीटर दूर मेडक जिले के तूप्रान के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया, ?जिससे दो पायलटों की मृत्यु हो गई। पिलाटस पीसी 7 एमके टू ट्रेनर विमान ने सोमवार सुबह करीब 8.30 बजे नियमित प्रशिक्षण उड़ान के लिए वायु सेना अकादमी, हैदराबाद से उड़ान भरी थी, जो चट्टानों के बीच दुर्घटनाग्रस्त हो पूरी तरह जलकर खाक हो गया। वायुसेना अधिकारियों ने बताया कि दोनों पायलटों में से एक प्रशिक्षक और एक प्रशिक्षु था। आईएएफ ने एक बयान में कहा, "यह बेहद अफसोस के साथ कहना पड़ रहा है कि एलएएफ पुष्टि करता है कि विमान में सवार दोनों पायलटों की मौत हो गई हैं। इस दौरान किसी भी नागरिक जीवन या संपत्ति को कोई नुकसान नहीं हुआ है। दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए कोर्ट ऑफ इंक्वायरी का आदेश दिया गया है।स्थानीय लोग दुर्घटनास्थल पर पहुंचे और पुलिस को सूचित किया।

मिजोरम में तीन महिला उम्मीदवारों ने जीत दर्ज की

आइजोल (ईएमएस)। मिजोरम विधानसभा में तीन महिला उम्मीदवारों ने जीत दर्ज की है। विधानसभा की 40 सीट के लिए चुनावी मैदान में उतरे 174 उम्मीदवारों में से केवल 16 महिलाएं थीं। इनमें से दो महिलाओं ने दो-दो सीट पर चुनाव लड़ा जिससे महिलाओं की दावेदारी 18 सीट पर हो गई।

ईसीआई के आंकड़ों के अनुसार, जोरम पीपुल्स मूवमेंट (जेडपीएम) की बेरिल वन्नेइहसांगी तथा लालरिनपुई और मिजो नेशनल फ्रंट (एमएनएफ) की प्रोवा चकमा ने चुनाव में जीत हासिल की। आइजोल दक्षिण-3 सीट पर वन्नेइहसांगी ने 1,414 मतों के अंतर से जीत दर्ज की। उन्हें 9,370 वोट मिले जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी एमएनएफ के एफ लालनुनमाविया को 7,956 वोट मिले।

लालरिनपुई ने लुंगलेई पूर्व में कांग्रेस उम्मीदवार जोसेफ लालहिमपुइया को 1,646 मतों के अंतर से हराया। एमएनएफ उम्मीदवार को जहां 5,641 वोट प्राप्त हुए, वहीं कांग्रेस उम्मीदवार को 3,995 वोट मिले।

चकमा को 7,167 वोट प्राप्त हुए और उन्होंने पश्चिम तुइपुई सीट पर 711 मतों के अंतर से जीत हासिल की जबकि कांग्रेस के निहार कांति चकमा ने 6,456 वोट हासिल किए।

मिजोरम विधानसभा के निवर्तमान सदस्यों में से एक भी महिला नहीं है। मुख्य विपक्षी दल रहे जेडपीएम ने 27 सीट जीतकर एमएनएफ को सत्ता से बाहर कर दिया। एमएनएफ ने 10 सीट पर जीत दर्ज की। भारतीय जनता पार्टी ने दो सीट जीतीं जबकि कांग्रेस के खाते में एक सीट आई।

कर्नाटक और हिमाचल हारे तब पीएम मोदी का ज्ञान कहां था : अधीर रंजन

नई दिल्ली (ईएमएस)। कांग्रेस पार्टी ने पूर्व विधानसभा चुनाव में हार पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की टिप्पणी पर तीखी प्रतिक्रिया देकर कहा कि जब भाजपा कर्नाटक और हिमाचल प्रदेश चुनाव हार गई तब उनका ज्ञान (सलाह) गायब हो गया। संसद के शीतकालीन सत्र की शुरुआत से पहले, पीएम मोदी ने विपक्ष को हताशा निकालने के बजाय छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान में हार से सबक लेने की सलाह दी।

इसके जवाब में कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी ने कहा, बेहतर होगा कि पीएम हमारे भविष्य के बारे में सोचना बंद कर दें। क्योंकि जब बीजेपी कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश हार गई तब सब ज्ञान गायब हो गया था। कांग्रेस महासचिव और सांसद केसी वेणुगोपाल ने भी इस टिप्पणी को लेकर पीएम मोदी की आलोचना की। उन्होंने कहा कि हर चुनाव अलग होता है। जब कांग्रेस ने कर्नाटक जीता, तब यह बात (प्रधानमंत्री द्वारा) नहीं कही गई। जब कांग्रेस ने तेलंगाना जीता तब ये बात नहीं थी। बेशक, हम उन लोगों को बधाई दे रहे हैं जिन्होंने चुनाव जीता है। सच कहूं तब मध्यप्रदेश में क्या हुआ, हम समझ ही नहीं पा रहे हैं।

चौधरी ने कहा, कुछ दिन पहले कर्नाटक-हिमाचल प्रदेश में चुनाव हुए थे उस समय मोदी जी का ज्ञान कहां था?... वे समय-समय पर अपने ज्ञान निकालते हैं... भाजपा के पास प्रधानमंत्री के अलावा और कोई चेहरा नहीं है, तब यह भाजपा, आरएसएस, विश्व हिंदू परिषद की नहीं मोदी जी की जीत है, उन्हें यह मान लेना चाहिए। समाजवादी पार्टी सांसद रामगोपाल यादव ने कहा कि जो जीता हुआ होता वह कुछ भी कह सकते हैं और जो हार जाते हैं उन पर सवाल उठाए जाते हैं... इनकी(बीजेपी) पॉलिसी है कि यह रिकॉर्ड बनाना चाहते हैं, राजीव गांधी के जमाने में 412 में (कांग्रेस) जीते थे, उस रिकॉर्ड को इन्हें(बीजेपी) तोड़ना है।

दरअसल पीएम मोदी ने सोमवार को विपक्षी दलों से आग्रह किया कि संसद के शीतकालीन सत्र में वे विधानसभा चुनावों में मिली पराजय का 'गुस्सा' ना निकालें बल्कि उससे सीख लेकर पिछले नौ सालों की नकारात्मकता को पीछे छोड़ें और सकारात्मक रूख के साथ आगे बढ़ें, तभी उनके प्रति लोगों का नजरिया बदल सकता है।

मुझे नौसेना के झंडे को छत्रपति शिवाजी महाराज की विरासत से जोड़ने का अवसर मिला- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

- नौसेना की वर्दी पर अब दिखेगी शिवाजी महाराज की झलक

- नौसेना में रैंकों का नाम भारतीय संस्कृति के नाम पर रखा जाएगा

सिंधुदुर्ग, (ईएमएस)। हर साल 4 दिसंबर को मनाया जाने वाला नौसेना दिवस इस साल महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग किले को साक्षी मानकर जिले में मनाया जा रहा है। भारतीय नौसेना दिवस के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को मालवण में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए. इस अवसर पर उनके द्वारा छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिकृति प्रतिमा का अनावरण किया गया। इसके बाद मोदी ने लोगों और खासकर कोंकणवासियों को संबोधित करते हुए कुछ अहम घोषणाएं कीं. इसमें रत्नागिरी, देवगढ़, मालवण जैसे तटीय क्षेत्रों के विकास कार्य शामिल हैं। सबसे पहले उन्होंने छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा पर पुष्पहार चढ़ाकर उनका अभिवादन किया. इस अवसर पर महाराष्ट्र के राज्यपाल रमेश बैस, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नवीस, अजीत पवार और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नौसेना की तारीफ की और कहा, नौसेना परिवार के सभी सदस्यों को मेरी शुभकामनाएं। मुझे इस सिंधुदुर्ग किले से नौसेना दिवस की शुभकामनाएं देने का सौभाग्य मिला। छत्रपति शिवाजी महाराज समुद्री शक्ति के महत्व को जानते थे। उनकी घोषणा का अर्थ था, जो समुद्र को नियंत्रित कर सकता है वह सबसे शक्तिशाली है, जैसा कि शिवाजी महाराज कहा करते थे। छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रेरणा से देश परतंत्रता की मानसिकता को छोड़कर आगे बढ़ रहा है। मुझे खुशी है कि हमारे नौसैनिक अधिकारी अब जो एपॉलेट पहनते हैं। वहां आपको छत्रपति शिवाजी महाराज की झलक मिलेगी. नए इपॉलेट्स पर अब शिवाजी महाराज की सेना का प्रतीक अंकित होगा। मोदी ने कहा, यह मेरा सौभाग्य है कि मुझे नौसेना के झंडे को छत्रपति शिवाजी महाराज की विरासत से जोड़ने का अवसर मिला। आगे उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार छत्रपति शिवाजी महाराज के शासनकाल के दौरान बनाए गए किलों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। कोंकण समेत पूरे महाराष्ट्र में इसके लिए सैकड़ों करोड़ रुपये खर्च किये जा रहे हैं. हमारा प्रयास है कि देश भर से लोग हमारी इस गौरवशाली विरासत को देखने आएं। यहां से हमें विकसित भारत की यात्रा को तेज करना है। पीएम मोदी ने कहा, अपनी विरासत पर गर्व करते हुए, मुझे यह घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है कि भारतीय नौसेना में रैंकों का नाम भारतीय संस्कृति के नाम पर रखा जाएगा। हम इस पर काम भी कर रहे हैं. हमारे रक्षा बलों में महिलाओं को सशक्त बनाया जा रहा है। नरेंद्र मोदी ने यह भी कहा है कि मैं नौसैनिक जहाज पर देश की पहली महिला कमांडिंग ऑफिसर की नियुक्ति के लिए नौसेना को बधाई देना चाहता हूं। जनता ने निराशावाद की राजनीति को परास्त कर हर क्षेत्र में आगे बढ़ने का संकल्प लिया है। यह व्रत हमें विकसित भारत की ओर ले जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि भारत का इतिहास सिर्फ 1000 साल की गुलामी, हार और निराशा का नहीं है बल्कि भारत का इतिहास विजय, वीरता, ज्ञान, विज्ञान, कला और उसके नौसैनिक कौशल का है।

जन हितैषी

बड़े-बड़े दिग्गज चुनाव हार गये

पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव में पांच राज्यों के चुनाव परिणाम आ चुके हैं। इसमें सबसे ज्यादा आश्चर्यजनक चार राज्यों के चुनाव परिणाम रहे हैं। मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के साथ-साथ तेलंगाना के कई बड़े दिग्गज चुनाव में बुरी तरह से पराजित हुए हैं। राजस्थान में विधानसभा के अध्यक्ष सीपी जोशी चुनाव हार गए। अशोक गहलोत सरकार के 25 में से 17 मंत्री चुनाव हार गए हैं। जो बड़े नेता चुनाव हारे हैं उनमें विपक्ष के नेता राजेंद्र राठौड़ और उप नेता सतीश पूनिया भी हारने वाले नेताओं की सूची में शामिल हो गए हैं। पुनिया कुछ दिन पहले तक भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष थे। राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी ने अपने 7 सांसदों को चुनाव मैदान में उतरा था। इनमें से तीन सांसद चुनाव मैं पराजित हो गए हैं। मध्य प्रदेश में भी कई बड़े दिग्गज नेता चुनाव हार गए हैं। कृषि मंत्री कमल पटेल उद्योग मंत्री राजवर्धन सिंह दत्ती गांव हार गए हैं। गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा की हार सबसे ज्यादा आश्चर्यजनक रही है। केंद्रीय मंत्री और सांसद फग्गन ?सिंह कुलस्ते और सांसद गणेश ?सिंह भी विधानसभा का चुनाव हार गए हैं। कांग्रेस के नेता प्रतिपक्ष डॉ गोविंद सिंह भी लहार से चुनाव हार गए हैं। छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव विधानसभा चुनाव हार गए हैं। दुर्ग में भारतीय जनता पार्टी के सांसद विजय बघेल अपना चुनाव हार गए हैं। मध्य प्रदेश के जो चुनाव परिणाम आए हैं, उसमें कांग्रेस पार्टी की दूसरी पीढ़ी के लगभग सभी नेता चुनाव हार गए हैं। चुनाव परिणाम से यह साबित हो गया है कि कांग्रेस की दूसरी पीढ़ी के नेता चुनाव हारने के बाद नेपथ्य में चले गए हैं। पांचो राज्यों के जो चुनाव परिणाम आए हैं, वह सभी को आश्चर्यचकित कर रहे हैं। विशेष रूप से मध्य प्रदेश विधानसभा के चुनाव परिणाम को लेकर आम जनता को भी विश्वास नहीं हो पा रहा है कि इस तरीके के चुनाव परिणाम आ सकते हैं। पांच राज्यों की विधानसभा चुनाव में एग्जिट पोल भी बुरी तरीके से फ़्लॉप साबित हुए हैं। मध्य प्रदेश में जिस तरह से कांग्रेस का सूपड़ा साफ हुआ है, वह आश्चर्यचकित करने वाला है। यहां पर भारतीय जनता पार्टी की सरकार है। यह माना जा रहा था कि इस बार मतदाताओं में महंगाई और बेरोजगारी को लेकर नाराजगी है। मतदान के पूर्व मतदाताओं की नाराजी स्पष्ट रूप से जमीनी स्तर पर देखने को मिल रही थी। उसके बाद भी जिस तरीके के चुनाव परिणाम आए हैं, उसने सभी को आश्चर्य में डाल दिया है। भाजपा ने 3 माह पहले 39 सीटों पर अपने उम्मीदवार घो?षित कर ?दिये थे। उनमें से 24 उम्मीदवारों ने चुनाव जीत ?लिये हैं। कुछ सीटों पर 20 से 30 साल की समयाव?धि में भाजपा ने यह सीटें नहीं जीती थी, जो इस चुनाव में जीत ली है। जो जीता वही सिकंदर की तर्ज पर पांच राज्यों के चुनाव परिणाम को लेकर लोग आपस में आश्चर्यजनक चुनाव प?रिणामों की चर्चा कर रहे हैं।

बहुत कठिन है डगर संसद की...

पांच राज्य विधानसभाओं के चुनाव परिणामों ने नए साल में विपक्ष के लिए संसद की डगर को बहुत कठिन बना दिया है। अर्बन नक्सलियों के प्रचंड विरोध के बावजूद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जादू चल गया और खानदानी जादूगर हार गए। हालाँकि चुनावों के सभी नतीजे अप्रत्याशित और अविश्वसनीय हैं , लेकिन उन्हें ख़ारिज नहीं किया जा सकता । जनादेश तो होता ही शिरोधार्य करने के लिए है। देश की प्रमुख विपक्षी पार्टी कांग्रेस के लिए जहा ये नतीजे आत्मपरीक्षण के लिए एक बड़ा अवसर हैं वहीं लोकसभा चुनाव के लिए बनाये गए आईएनडीआईए डइण्डिया . गठबंधन के लिए एक अग्निपरीक्षा।

इस समय देश विचारधाराओं के बजाय ऐसे मुद्दों पर विभाजित होता दिखाई दे रहा है जो नए नहीं है। नया सिर्फ इतना है कि देश, आजादी से पहले जहाँ खड़ा था ,आज भी वहीं खड़ा नजर आ रहा है। फर्क सिर्फ इतना है कि आजादी के पहले राजनीति प्रोडक्ट नहीं थी और उसके साथ किसी तरह की कोई गारंटी बाबस्ता नहीं थी । जो कुछ था वो एक संघर्ष से हासिल आजादी और एक संविधान था। मुझे हैरानी होती है कि जो राजनीति आजादी की लड़ाई के फौरन बाद देश में औंधे मुंह गिरी थी वही राजनीति आजादी के 75 साल बाद शीर्ष पर है। और इसकी वजह शायद विचारशून्यता ही हो सकती है।

मैंने कल ही कहा था कि अब त्रेता नहीं कलियुग है । अब हानि,लाभ,जीवन,मरण,जस,अपजस सब विधि के नहीं नृप के हाथ में हैं ,और ये आम चुनाव से पहले हुए सेमीफाइनल में साबित भी हो गया। अब जनता विधि के बजाय नृप पर ज्यादा भरोसा कर रही है। राजा की गारंटियां अपना असर दिखा रहीं हैं। कोई इसे स्वीकार करे या न करे ,इससे इन गारंटियों और नयी राजनीति पर कोई फर्क नहीं पड़ता। फर्क पड़ता है तो देश के उस मूल चरित्र पर पड़ता है जिसके लिए देश ,दुनिया में जाना -पहचाना जाता रहा है।

चुनावों में कौन ,किस वजह से हारा ,किस वजह से जीता इसका विश्लेषण राजनीतिक दल करें,ये काम हमारा नहीं है। क्योंकि राजनीति में हमारा कोई दखल नहीं है । यदि होता तो हम भी चुनाव लड़ रहे होते। हम तो जन्मजात वाच डॉग हैं हिंदी पट्टी में कांग्रेस के पास अब केवल हिमाचल प्रदेश है। ये प्रदेश इतना बड़ा है जितने हमारे सूबे के अनेक शहर हैं। हिमाचल की सत्ता में रहकर कांग्रेस पूरे देश से अपने लिए ताकत नहीं बटोर सकती । कांग्रेस के लिए दक्षिण की चार मीनार के दो दरवाजे बेशक खुल गए हैं लेकिन इनसे मिलने वाली ऊर्जा भी शेष भारत में कांग्रेस के मुरझाये पौधे को संजीवनी नहीं दे सकते।

पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के नतीजे आने के बाद भाजपा के लिए संसद का रास्ता जितना आसान हो सकता है कांग्रेस और शेष विपक्ष के लिए उतना ही कठिन । क्योंकि भाजपा के लिए अब स्पर्द्धा कम हो गयी है जबकि कांग्रेस के लिए इंडिया गठबंधन को एकजुट बनाये रखना आसान नहीं रहा। कांग्रेस यदि तेलंगाना के बजाय मध्य प्रदेश या राजस्थान जीतती तो मुमकिन है कि परिदृश्य कुछ और होता,लेकिन ऐसा हो नहीं सका। कांग्रेस मध्य प्रदेश तो तीन साल पहले ही गंवा चुकी थी ,अब राजस्थान और छत्तीसगढ़ भी उसके हाथ से निकल गया। इसके लिए भाजपा ने कौन सा अनाम ऑपरेशन चलाया ,कोई नहीं जानता। मुमकिन है कि भविष्य में इण्डिया गठबंधन का नेतृत्व भी उसे छोड़ना पड़ जाये। क्योंकि अब गठबंधन के तमाम सदस्य कांग्रेस नेतृत्व को आँखें दिखने की स्थिति में आ गए हैं।

कांग्रेस के पास एक विरासत जरूर है लेकिन उसकी संगठनात्मक शक्ति लगभग समाप्त हो चुकी है। कांग्रेस के पास अब कोई ऐसा संगठनकर्ता नजर नहीं आता जो पार्टी के लिए नए सिरे से एक मजबूत संगठन खड़ा कर सके। सांगठन बनाना एक पूर्णकालिक काम है। संगठन के लिए ऐसे लोग होना चाहिए जो सत्ता लोलुप न हों। इस देश में कैडर पर आधारित वामपंथ का साम्राज्य समाप्त होते देखा है। देश अब कांग्रेस को संकुचित होते हुए देख रहा है ,और यदि कांग्रेस अब भी न सम्हली तो देश कांग्रेस को भी हासिये पर खड़ा होते देख सकता है। कांग्रेस का वजूद अब तक उस विचारधारा की वजह से बचा है जो उसे गाँधी-नेहरू से विरासत में मिली थी। कांग्रेसका नेतृत्व इस विरासत को नयी पीढ़ी को हस्तांतरित करने में नाकाम दिखाई दे रहा है।

आप अन्यथा ले सकते हैं किन्तु मेरा मानना है कि कांग्रेस के नेता राहुल गांधी ने पिछले कुछ वर्षों में कांग्रेस को अपने पांवों पर खड़ा करने की अनथक कोशिश की है। राहुल की कोशिशें यदि रंग नहीं ला पा रहीं तो उसकी एकमात्र वजह कांग्रेस की पुरानी पीढ़ी का सत्तालोलुप और सामंती होना है । कांग्रेस में अब कोई कामराज योजना की कल्पना नहीं कर सकता । तमाम बड़े राज्यों में कांग्रेस के पास जय और वीरू की जो जोड़ियां हैं वे उम्रदराज हो चुकीं हैं ,लेकिन नया नेतृत्व पनपने ही नहीं दे रहीं। कांग्रेस ये स्वीकार करने के लिए शायद तैयार नहीं है कि वो अब देश की सबसे प्रमुख विपक्षी पार्टी है। कांग्रेस जिस संघर्ष के रस्ते से देशवासियों के दिल में उत्तरी थी ,वो संघर्ष करने का माद्दा कांग्रेस के पास नहीं है।

क्या आप नहीं मानते कि आज देश में भाजपा को छोड़ जितने भी राजनीतिक दल हैं उनमें से अधिकांश कांग्रेस के गर्भ से उसके दम्भ की वजह से नहीं जन्मे ? देश में आज कांग्रेस की जितनी औरस संताने हैं उतनी जनसंघ या भाजपा की नही। देश में जितने भी समाजवादी राजनीतिक दल हैं उनके डीएनए में भी कहीं न कहीं,थोड़ी-बहुत कांग्रेस है। यहां तक की बहुजन समाजवादी पार्टी भी कांग्रेस का ही एक सह उत्पाद है। कांग्रेस में यदि कोई प्रभावी दलित नेता होता तो शायद बसपा जन्म ही न लेती। अब कांग्रेस खुद को सम्हालने के साथ ही यदि देश में बिखरे हुए विपक्ष को सम्हालने के लिए काम करे तो ही उसका वजूद बच सकता है। अन्यथा भाजपा और संघ की रणनीति के सामने कांग्रेस को ढेर होने में ज्यादा समय नहीं लगेगा। कांग्रेस विहीन भारत भाजपा और आरएसएस का ख्वाब हो सकता है ,लेकिन पूरे देश का नहीं। कांग्रेस विहीन भारत कैसा होगा इसका अनुमान आज लगना आसान नहीं है।

विजय पथ पर बढ़ती भाजपा को बधाई देने के साथ ही लगातार पराजित होती कांग्रेस के प्रति भी सहानुभूति है। राहुल गांधी के प्रति सहानुभूति है । राहुल ने पिछले दस साल में कांग्रेस को शक्तिशाली बनाने के लिए बहुत कुछ किया है। लेकिन उस गरीब के पीछे जो लोग खड़े हैं वे ही उसके हितैषी नहीं हैं। राहुल विधानसभा चुनावों के नतीजों की समीक्षा करने हिमालय की किसी गुफा में जाएँ या विदेश के किसी रमणीक स्थल पर ये उनका निर्णय है। हम और आप तो फ़िलहाल अब सत्तारूढ़ भाजपा के नए प्रहसनों से मनोरंजन करें तो बेहतर है ।भाजपा के पास एक से बढ़कर एक मनोरंजक कार्यक्रम हैं।(लेखक राकेश अचल)

भारत के सकल घरेलू उत्पाद में उद्योग क्षेत्र का बढ़ता योगदान

वित्तीय वर्ष 2023-24 की द्वितीय तिमाही, जुलाई-सितम्बर 2023, के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि के आंकड़े भारत सरकार द्वारा जारी कर दिए गए हैं। इस वर्ष द्वितीय तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर विभिन्न वित्तीय संस्थानों द्वारा लगाए गए अनुमानों से बहुत ऊपर रही है। विभिन्न अर्थशास्त्रियों द्वारा दिए गए 6.8 प्रतिशत के अनुमान से बहुत अधिक अर्थात यह वृद्धि दर 7.6 प्रतिशत की रही है, जबकि वित्तीय वर्ष 2022-23 की द्वितीय तिमाही में 6.2 प्रतिशत की रही थी। भारत में इस वर्ष द्वितीय तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद में दर्ज की गई वृद्धि की तुलना में अन्य देशों के सकल घरेलू उत्पाद में तिमाही के दौरान वृद्धि दर बहुत कम रही है। फिलिपींस में 5.9 प्रतिशत, रूस में 5.5 प्रतिशत, वियतनाम में 5.33 प्रतिशत, अमेरिका में 5.2 प्रतिशत, चीन में 4.9 प्रतिशत, मलेशिया में 3.3 प्रतिशत, थाईलैंड में 1.5 प्रतिशत, ब्रिटेन में 0.6 प्रतिशत, यूरो क्षेत्र में 0.1 प्रतिशत, जर्मनी में रिणात्मक 0.4 प्रतिशत एवं जापान में रिणात्मक 2.1 प्रतिशत वृद्धि दर दर्ज की गई है। इस प्रकार भारत पूरे विश्व में लगातार सबसे तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बना हुआ है।

हर्ष का विषय तो यह है कि भारत के सकल घरेलू उत्पाद में जुलाई-सितम्बर 2023 तिमाही के दौरान 7.6 प्रतिशत की वृद्धि दर में मुख्य योगदान उद्योग क्षेत्र का रहा है। भारत के उद्योग क्षेत्र ने इस दौरान 13.2 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की है, जो कि हाल ही के समय में अपने आप में एक रिकार्ड है। वित्तीय वर्ष 2022-23 की द्वितीय तिमाही, जुलाई-सितम्बर 2022 के दौरान उद्योग क्षेत्र ने रिणात्मक 0.5 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की थी। उद्योग क्षेत्र के अंतर्गत, विनिर्माण क्षेत्र ने 13.9 प्रतिशत की विकास दर हासिल की है जो पिछले वर्ष इसी अवधि के दौरान रिणात्मक 3.8 प्रतिशत थी। ऊर्जा उत्पादन क्षेत्र ने 10.1 प्रतिशत की वृद्धि दर, माइनिंग क्षेत्र ने 10 प्रतिशत, कन्स्ट्रक्शन क्षेत्र ने 13.3 प्रतिशत की आकर्षक वृद्धि दर हासिल की है। इन समस्त क्षेत्रों में रिकार्ड वृद्धि दर से भारत में रोजगार के करोड़ों नए अवसर निर्मित हुए हैं, जिसके चलते बेरोजगारी की दर में भी कमी दृष्टिगोचर हुई है।

भारत में प्रत्येक वर्ष अक्टोबर-नवम्बर माह में दीपावली एवं अन्य कई महत्वपूर्ण त्यौहारों का मौसम रहता है। इन त्यौहारों के दौरान भारत के नागरिकों द्वारा विभिन्न उत्पादों की भारी मात्रा में खरीददारी की जाती है। ऐसा आभास है कि अकटोबर-नवम्बर में पड़ने वाले विभिन्न त्यौहारों को ध्यान में रखते हुए जुलाई-सितम्बर 2023 तिमाही में ऑटोमोबाइल, फ्रिज, टीवी, मोबाइल फोन, आदि जैसे विभिन्न उत्पादों का भारी मात्रा में उत्पादन विनिर्माण इकाईयों द्वारा किया गया है। जिसके चलते इस तिमाही में विनिर्माण इकाईयों ने भारी भरकम 13.9 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की है। भारत में कन्स्ट्रक्शन क्षेत्र ने भी रफ्तार पकड़ ली है, जिसके चलते इस क्षेत्र में आकर्षक 13.3 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल कर ली गई है। अकटोबर 2023 माह में भी कोर क्षेत्र के उद्योगों ने 12.1 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की है।

इस वर्ष अल नीनो के प्रभाव के चलते देश के कई क्षेत्रों में मानसून की बारिश ठीक तरह से नहीं हो पाई है। इसका विपरीत प्रभाव कृषि क्षेत्र पर स्पष्टतः पड़ता हुआ दिखाई दिया है। कृषि क्षेत्र में वित्तीय वर्ष 2023-24 की द्वितीय तिमाही में केवल 1.2 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की जा सकी है, जो कि पिछले वर्ष इसी अवधि में 2.5 प्रतिशत की रही थी। भारत में कृषि क्षेत्र पर विशेष ध्यान दिये जाने की अत्यधिक आवश्यकता है क्योंकि रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते पूरे विश्व में ही खाद्य उत्पादों की भारी कमी महसूस की जा रही है। भारत, इस स्थिति का लाभ उठा सकता है एवं पूरे विश्व को ही खाद्य पदार्थों की आपूर्ति कर सकता है। रबी मौसम की बुआई का कार्य प्रगति पर है। यदि खाद्य पदार्थों की बुआई के क्षेत्रफल में भारी विस्तार किया जा सके तो खाद्य पदार्थों के उत्पादन में भारी वृद्धि की जा सकती है। आज पूरा विश्व ही खाद्य पदार्थों के लिए भारत की ओर टकटकी लगाए है एवं आशाभरी नजरों से भारत की ओर देख रहा है।

वित्तीय वर्ष 2023-24 की द्वितीय तिमाही में सेवा क्षेत्र में रिकार्ड की गई वृद्धि दर ने जरूर निराश किया है। इस दौरान सेवा क्षेत्र ने 4.8 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की है जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में दर्ज की गई वृद्धि दर 9.4 प्रतिशत की तुलना में बहुत कम है। इस वर्ष द्वितीय तिमाही में हासिल की गई वृद्धि दर से आश्चर्य भी हुआ है क्योंकि विभिन्न बैकों द्वारा प्रदान किए जा रहे ऋणों में वृद्धि दर लगातार दहाई के आंकड़े पर बनी हुई है, होटल लगातार अपनी स्थापित क्षमता का भरपूर उपयोग करते हुए दिखाई दे रहे हैं, रेल्वे एवं हवाई जहाज का उपयोग भी लगातार उच्चत्तम स्तर पर बना हुआ है। फिर भी, वित्तीय सेवाओं के क्षेत्र ने 6 प्रतिशत एवं व्यापार एवं होटल क्षेत्र ने 4.3 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की है। इसी प्रकार निजी क्षेत्र में अंतिम उपभोग में भी केवल 3.1 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की जा सकी है। भारत को यदि शीघ्र ही विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था के रूप में देखना है तो भारत के निजी क्षेत्र के लिए अपने उपभोग में वृद्धि करना अब आवश्यक हो गया है।

यह तो सरकारी क्षेत्र के अंतिम उपभोग में भारी भरकम 12.4 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज की गई है, एवं केंद्र सरकार के पूंजीगत व्यय में भारी भरकम वृद्धि रही है जिसके चलते देश में पूंजी निर्माण में 11 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। जो अंततः इस तिमाही के दौरान 7.6 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल करने के पीछे मुख्य कारक बन गया है। आगे आने वाले समय में लोक सभा चुनावों को देखते हुए सम्भवतः केंद्र सरकार के अंतिम उपभोग में और अधिक वृद्धि होने की सम्भावना है एवं इस दौरान केंद्र सरकार का पूंजीगत व्यय भी अभी और तेजी से बढ़ेगा जिसके कारण वित्तीय वर्ष 2023-24 की तृतीय एवं चतुर्थ तिमाही में भी सकल घरेलू उत्पाद में आकर्षक वृद्धि दर रहने की भरपूर सम्भावना है। साथ ही, इस वर्ष नवम्बर 2023 माह में दीपावली एवं अन्य त्यौहारों के चलते लगभग 4 लाख करोड़ रुपए का व्यापार दर्ज हुआ है तथा देश में विभिन्न तीर्थ स्थलों पर भारी मात्रा में भारतीय नागरिक धार्मिक पर्यटन करते हुए दिखाई दे रहे हैं और आगे आने वाले माह में देश में शादियों के मौसम के चलते भी नागरिकों के खर्च में भारी भरकम वृद्धि होगी, इसका प्रभाव, तृतीय तिमाही के दौरान सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर पर भी देखने को मिलेगा।

कुल मिलाकर भारतीय सनातन संस्कृति के पालन (धार्मिक स्थलों पर दर्शन के लिए जाते भारतीय, विभिन्न भारतीय त्यौहारों को बड़े उत्साह से मनाते भारतीय) से भी भारतीय अर्थव्यवस्था को बल मिल रहा है और देश के सकल घरेलू उत्पाद में प्रथम तिमाही में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि के बाद अब द्वितीय तिमाही में भी 7.6 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की जा सकी है। अब तो पूरा विश्व ही आश्चर्य कर रहा है भारत विभिन उत्पादों के लिए अपनी आंतरिक मांग के आधार पर अपने सकल घरेलू उत्पाद में अतुलनीय वृद्धि दर हासिल कर रहा है एवं इस दृष्टि से भारत की विदेशी व्यापार पर निर्भरता बहुत ही कम है।

(लेखक - प्रहलाद सबनानी/ईएमएस)
(सेवा निवृत्त उप महाप्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक)

आज का इतिहास 5 दिसंबर

1560 चार्ल्स नौवें फ्रांस की गद्दी पर बैठे.
1905 शेख मुहम्मद अब्दुल्ला का जन्म.
1934 सोवियत संघ में जोसेफ स्टालिन का तख्ता पलटने की साजिश के सिलसिले में 66 व्यक्तियों को मौत के घाट उतार दिया गया.
1936 सोवियत संघ ने नया संविधान स्वीकार किया.
1943 जापानी विमानों ने कोलकाता पर दिन में बमबारी की.
1950 अरविंदस्वामी का निधन.
1956 ब्रिटिश और फ्रंसीसी फौजों ने मिस्त्र से हटना शुरू किया.
1971 सुरक्षा परिषद में सोवियत संघ ने भारत पाक युद्ध में युद्ध विराम कराने के प्रस्ताव को वीटो किया.
1977 मिस्त्र ने पांच देशों से राजनयिक संबंध तोड़ लिए.
1985 ब्रिटेन ने यूनेस्कों से हटने की योजना घोषित की.
1988 मांट्रियल (कनाडा) विश्व भर के 90 देशों ने विश्व व्यापार के उदारीकरण के बारे में विचार विमर्श किया.
1990 राष्ट्रीय पुलिस मुख्यालय पर कब्जा करने वाले पूर्व अधिकारी को अमरीकी सैनिकों ने गिरफ्तार किया.
1991 दिल्ली को विधानसभा व मंत्री परिषद देने की घोषणा.
1992 उच्चतम न्यायालय के एक फैसले में पिछड़ों के लिए 27 प्रतिशत आरक्षण मंजूर.
1999 भारत की युक्ता मुखी ने मिस वर्ल्ड का खिताब जीता.
1994 मुज्जफरपुर जिले में गोपालगंज के जिलाधिकारी जी.कृष्णैया की उग्र भीड़ ने हत्या की.
2004 कश्मीर के पुलवामा में आतंकियों ने विस्फोट कर सुरक्षाबल के वाहन को उड़ा दिया,जिसमें 11 जवान मारे गए.
2003 राजस्थान,मध्यप्रदेश,छत्तीसगढ़, में भाजपा व दिल्ली में कांग्रेस को बहुमत मिला.

कहीं आंसुओं की है दास्तां, कहीं मुस्कुराहटों का है बयां,...

(कहो तो कह दूं)

मशहूर गजल गायक स्वर्गीय जगजीत सिंह का एक एल्बम है सहर इसमें गजलकार राजेश रेड्डी की एक ग़ज़ल बड़ी मकबूल है ये जो जिंदगी की किताब है ये किताब भी क्या किताब है इसी ग़ज़ल का एक शेर है कहीं आंसुओं की है दास्तां कहीं मुस्कुराहटों का है बयां ये शेर इस विधानसभा चुनाव में पूरी तरह से फिट बैठता हैं ।किसी दल में आंसुओं की झड़ी लगी है तो दूसरा दल मुस्कुराए पड़ा है, क्या-क्या अरमान सजाए बैठे थे चुनावी समर में उतरने वाले तमाम योद्धा, कोई अपने जीतने के सपने देख रहा था तो कोई सरकार बनने की और उसमें मलाईदार डिपार्टमेंट पाने के अरमान पाले बैठा था । कांग्रेस ने तो सोच ही लिया था इस बार तो उसकी सरकार पक्की है कुछ महीने पहले कमलनाथ को भावी मुख्यमंत्री बताते हुए होर्डिंग्स लगाए गए थे, दो दिन पहले भोपाल के कांग्रेस कार्यालय के सामने फिर एक पोस्टर लगाया गया था मिल रहा है सबका साथ आ रहे हैं कमलनाथ लेकिन कांग्रेस और उसके प्रत्याशियों ने कभी सोचा भी नहीं था कि उन्हें ऐसी हार का सामना करना पड़ेगा इतना ही नहीं भारतीय जनता पार्टी के नेताओं को भी इस बात की उम्मीद नहीं थी कि उन्हें ऐसा जनादेश मिल जाएगा । जैसे ही रिजल्ट आए एक तरफ खुशियों की सुनामी सी आ गई और दूसरी तरफ मायूसी का सैलाब उमड़ पड़ा । पांच साल का वक्त बहुत लंबा होता है वैसे अपने हिसाब से तो कांग्रेस को अब विपक्ष में रहने की आदत पड़ गई है और अगर ना पड़ी हो तो अब उसे इसकी आदत डाल भी लेनी चाहिए, तमाम बड़े-बड़े नेता एक झटके में विधानसभा से बाहर हो गए, प्रत्याशियों ने जी भर कर पैसा खर्च किया न जाने कितने वायदे किए लेकिन हाथ में आया बाबा जी का ठुल्लू ये राजनीति की किताब भी बड़ी अजीब है एक बार जिसको इस राजनीति का खून लग जाता है फिर वो और किसी काम का रह नहीं जाता । जो नेता बरसों से नेतागिरी कर रहे थे वे हारने के बाद यही कह रहे हैं कि हम तो जनता की सेवा कर रहे थे जनता ने जो कुछ निर्णय लिया वह हम सर माथे पर रखते हैं और आगे भी सेवा करते रहेंगे, अब इसके अलावा और चारा भी क्या बचा है बेचारों के पास करें भी तो क्या करें जनता का निर्णय तो सर माथे पर रखना ही पड़ेगा । तमाम टीवी चैनलों ने अपने-अपने एग्जिट पोल दिखाए किसी ने कुछ बताया तो किसी ने कुछ बताया लेकिन जब रिजल्ट आया तो उनके तमाम एग्जिट पोल धरे के धरे रह गए। ज्योतिषियों, गुनियों तांत्रिकों की शरण में गए तमाम नेताओं को भी उनके मंत्र तंत्र नहीं बचा पाए क्योंकि चुनाव के दौरान सबसे बड़ा तांत्रिक मतदाता ही होता है और जो वह चाहता है वही होता है इसलिए अब यह कहना चाहिए प्रत्याशी लाख चाहे तो क्या होता है होता वही है जो मंजूर मतदाता होता है देखना ये है कि हारे हुए यह नेता आगे भी जनता की सेवा करते रहेंगे या फिर अपने-अपने धंधे में लग जाएंगे वैसे इसकी ही उम्मीद ज्यादा की जाना चाहिए ।

मामा का जादू

भले ही भाजपा के हाई कमान ने अपने प्रदेश के मामा शिवराज सिंह चौहान को चुनावी टिकट बांटने में और चुनाव के दौरान होने वाली बड़े नेताओं की सभाओं में साइड लाइन कर दिया हो लेकिन मामा जी तो मामा जी हैं, राजनीति का हर दांव पेंच उनके रग रग में बसा हुआ है, किस वक्त क्या करना है इसकी टाइमिंग उनसे ज्यादा बेहतर और कोई नहीं समझता यही कारण है कि पिछले 17 सालों से हुए प्रदेश के मुख्यमंत्री बने हुए हैं,लोग बात और राजनीतिक विश्लेषक भी यह मानते हैं कि जो सरकार ज्यादा समय तक रहती है उसके खिलाफ एंटी इनकंबेंसी हो जाती है लेकिन मामा जी पता नहीं ऐसी कौन सी घुट्टी इस प्रदेश की जनता को पिलाए पड़े हैं कि एंटी इनकंबेंसी दूर-दूर तक दिखाई नहीं देती। मामा जी की एक और खासियत है वे रात दिन जनता को लुभाने वाली स्कीमों के बारे में सोचते रहते हैं,अब देखो ना और चुनाव के पहले लाडली बहना योजना शुरू कर प्रदेश की महिलाओं को हजार फिर बारह सौ देने की जो स्कीम मामा जी ने स्टार्ट की तो तमाम बहनों ने विजय का हार अपने भाई के गले में डाल दिया ।भाजपा के बड़े नेताओं को भी मानना पड़ा कि ये जो स्कीम है वो वास्तव में तरफ का पत्ता है इसलिए अंत में मामा जी का नाम भी लेना पड़ा और उनकी स्कीम के बारे में भी लोगों को लोगों के सामने कहना पड़ा की प्रदेश कि शिव राज सिंह चौहान के नेतृत्व में प्रदेश में गजब की उन्नति की है अब सवाल यह आ रहा है की मामा की इस स्कीम से जो जनादेश भारतीय जनता पार्टी को मिला है तो इसके जनक मामा शिवराज सिंह चौहान को किनारे कैसे किया जा सकता है,एक ही झटके में मामा जी ने सारा खेल अपने पक्ष में कर लिया और यही मामाकी सबसे बड़ी खासियत है अपना तो मानना ये है कि मामा जी को मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री की कुर्सी परमानेंट रूप से एलॉट कर देना चाहिए।

किसी पर भरोसा नहीं रहा

जो प्रत्याशी चुनाव में खड़े हुए थे उन्हें अपने मतदाता पर गजब का भरोसा था कि वे उन्हें ही वोट देंगे लेकिन जब रिजल्ट आया तो उनके हाथों के तोते उड़ गए ऐसी पटकनी दी मतदाता ने जो कभी सपने में भी उन्होंने सोची नहीं थी । दरअसल जनता भी राजनेताओं के साथ रह रहकर बहुत उस्ताद हो गई है जो आता था उसी से वायदा कर देते थे कि आपके अलावा तो और किसी को वोट देने का सवाल ही नहीं उठाता ,जैसे राजनेता वायदा करते हैं आपका जो भी काम होगा वह हम करेंगे लेकिन जब काम करवाने जनता जाती थी तो टरकाना के अलावा और कुछ उसे मिलता नहीं सो जनता ने भी वो स्कीम पकड़ ली है उसे भी मालूम है कि पांच साल में एक बार नेताजी दरवाजे पर आएंगे उसके बाद तो उसी को नेताजी के दरवाजे जाकर उनके हाथ पर जोड़ना पड़ेंगे इसलिए वह भी उन्हीं की तर्ज पर वायदा करने लगी है। वैसे भी इस कलयुग में किसी का किसी पर भरोसा बचा नहीं है जब जनता को नेताओं पर भरोसा नहीं तो नेता जनता पर क्यों भरोसा कर रहे हैं । फिर विश्वास का संकट तो इन दोनों बहुत तेजी पकड़ रहा है भाई भाई पर भरोसा नहीं कर रहा बाप को बेटे पर भरोसा नहीं रहा,पति-पत्नी के बीच भरोसे की डोर टूटती जा रही है जब हर तरफ भरोसा खत्म हो रहा है तो राजनीति में तो सबसे पहले यह भरोसा खत्म हो जाना चाहिए ।

सुपर हिट ऑफ़ द वीक

चलो आज हम लोग बाहर खाना खाते हैं श्रीमान जी ने श्रीमती जी से कहा

अच्छा तो मैं तैयार होकर आती हूं श्रीमती जी ने खुश होकर कहा

ठीक है तुम जब तक तैयार होती हो तब तक मैं आंगन में चटाई बिछा देता हूं श्रीमान जी ने कहा (लेखक- चैतन्य भट्ट/ईएमएस)

शब्द पहेली - 7847

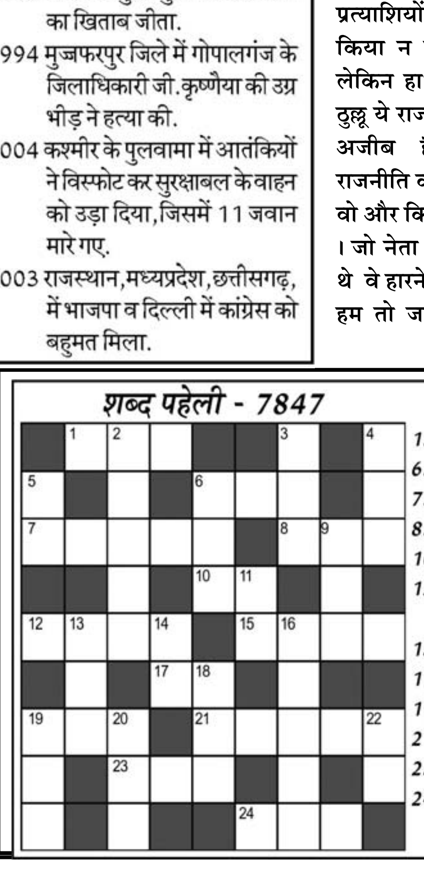

बाएँ से दाएँ

1.उच्च कुल का-3
6.जलज,पंकज,नीरज-3
7.चरित्र,धर्म-5
8.वचन,प्रतिज्ञा-3
10.आनेवाला दिन-2
12.पक्षियों का शोर, पक्षियों की चहचहाट -4
15.अनबन,कहासुनी-4
17.रुपया,पैसा-2
19.भ्रम,संदेह-3
21.कहानी लिखनेवाला-5
23.अंजन-3
24.वजह-3

ऊपर से नीचे

2.अधिवर्ष,29 फरवरी वाला वर्ष-2,3
3.कंठ,गला-3
4.लाज,लज्जा-3
5.विवाह,ब्याह-2
6.सोना,धतूरा-3
9.टेका,आसरा-3
11.बुरी आदत-2
13.रेखा,लाइन-3
14.हत्या,मर्डर-2
16.नवचंद्राकार -5
18.अनुकृति-3
19.भला कार्य-3
20.घर,गृह,निवास-3
22.युद्ध,संग्राम -2

शब्द पहेली -7846 का हल

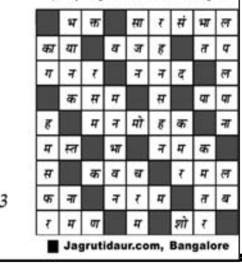

Jagrutidaur.com, Bangalore

सम्पादकीय

खेल-समाचार

ईसीबी का फरमान, अगले साल आईपीएल नहीं खेले जोफ्रा आर्चर

लंदन (ईएमएस)। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने 2024 के टी20 विश्व कप को ध्यान में रखकर तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर से अगले साल होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से हटने को कह दिया है। आर्चर को 2022 के आईपीएल से पहले मुंबई इंडियंस ने आठ करोड़ रुपए में खरीदा था, लेकिन फ्रेंचाइजी ने पिछले सप्ताह उन्हें 'रिलीज कर दिया था। आईपीएल की 19 दिसंबर को दुबई में होने वाली नीलामी की सूची में उनका नाम पंजीकृत नहीं है। आर्चर अपने करियर में चोटों से जूझते रहे हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, 'ईसीबी का मानना है कि आर्चर यदि आईपीएल में खेलने के लिए भारत में होने के बजाय अप्रैल और मई में ब्रिटेन में रहते हैं,तब उनकी वापसी सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। रिपोर्ट के अनुसार आर्चर ने ईसीबी के साथ दो साल के नए अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं तथा क्रिकेट बोर्ड वेस्टइंडीज और अमेरिका में अगले साल जून में होने वाले टी20 विश्व कप से पहले उन्हें पूरी तरह से अपने नियंत्रण में रखना चाहता है।

भारत के खिलाफ तीन टी20, तीन वनडे और दो टेस्ट के लिए दक्षिण अफ्रीका की टीम का ऐलान

जोहानिसबर्ग (ईएमएस)। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान तेम्बा बावुमा और तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा को भारत के खिलाफ होने वाली सीमित ओवरों की श्रृंखला में विश्राम दिया गया है और वह इसके बाद होने वाली टेस्ट श्रृंखला में वापसी करने वाले हैं। दक्षिण अफ्रीका खेल के तीनों प्रारूप में भारतीय टीम की मेजबानी करेगा। भारत दौरे में तीन टी20, तीन वनडे और दो टेस्ट मैच खेलेगा। इस दौरे की शुरुआत 10 दिसंबर को डरबन में पहले टी20 मैच से होगी। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने कहा, 'कप्तान बावुमा और कैगिसो रबाडा उन खिलाड़ियों में शामिल हैं जिन्हें सीमित ओवरों की श्रृंखला से बाहर रखा गया है। यह दोनों खिलाड़ी इसके बाद टेस्ट श्रृंखला में वापसी करने वाले हैं। भारत और दक्षिण अफ्रीका दोनों ही नए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र की तैयारी में जुटे हैं। दोनों टीम के बीच पहला टेस्ट मैच 26 दिसंबर से सेंचुरियन में होगा।

बावुमा की अनुपस्थिति में एडेन मार्कराम सीमित ओवरों की श्रृंखला में दक्षिण अफ्रीका की अगुवाई करने वाले हैं। अब तक एक वनडे और 16 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले विकेटकीपर बल्लेबाज ट्रिस्टन स्टब्स को पहली बार टेस्ट टीम में जगह दी गई है, जबकि हेनरिक क्लासेन को टेस्ट टीम से बाहर रखा गया है। तेज गेंदबाज गेराल्ड कोएट्ज़ी, मार्को यानसन और लुंगी एनगिडी को भी वनडे से बाहर रखा गया है। यह तीनों खिलाड़ी पहले दो टी20 मैच और दो टेस्ट मैच की श्रृंखला के लिए टीम में शामिल किए गए हैं। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के महत्वपूर्ण अंक और अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए दक्षिण अफ्रीका ने भी भारत की तरह अपनी वनडे टीम में कई नए चेहरों को शामिल किया है। इनमें तेज गेंदबाज ओटनील बार्टमैन और ऑलराउंडर मिहलाली मपोंगवाना जैसे नए चेहरे भी शामिल हैं। बल्लेबाज डेविड बेडिंघम (टेस्ट) और तेज गेंदबाज नांद्रे बर्गर (तीनों प्रारूप) को भी पहली बार मौका दिया गया है।

दक्षिण अफ्रीका की टी20 टीम : एडेन मार्कराम (कप्तान), ओटनील बार्टमैन, मैथ्यू ब्रीट्ज़के, नांद्रे बर्गर, गेराल्ड कोएत्ज़ी (पहला और दूसरा टी20), डोनोवन फरेरा, रीज़ा हेंड्रिक्स, मार्को यानसन (पहला और दूसरा टी20), हेनरिक क्लासेन, केशव महाराज, डेविड मिलर, लुंगी एनगिडी (पहला और दूसरा टी20), एंडिले फेहलुकवायो, तबरेज़ शम्सी, ट्रिस्टन स्टब्स और लिज़ाद विलियम्स

दक्षिण अफ्रीका की वनडे टीम : एडेन मार्कराम (कप्तान), ओटनील बार्टमैन, नांद्रे बर्गर, टोनी डी ज़ोरज़ी, रीज़ा हेंड्रिक्स, हेनरिक क्लासेन , केशव महाराज, मिहलाली मपोंगवाना, डेविड मिलर, वियान मुल्डर, एंडिले फेहलुकवायो, तबरेज़ शम्सी, रासी वान डेर डुसेन, काइल वेरेन और लिज़ाद विलियम्स।

दक्षिण अफ्रीका की टेस्ट टीम : टेम्बा बावुमा (कप्तान), डेविड बेडिंघम, नांद्रे बर्गर, गेराल्ड कोएत्ज़ी, टोनी डी ज़ोरज़ी, डीन एल्गर, मार्को यानसन, केशव महाराज, एडेन मार्कराम, वियान मुल्डर, लुंगी एनगिडी, कीगन पीटरसन, कैगिसो रबाडा, ट्रिस्टन स्टब्स और काइल वेरिन।

रामकुमार रामनाथन को आईटीएफ कलबुर्गी ओपन का खिताब

कलबुर्गी (ईएमएस)। भारत के रामकुमार रामनाथन ने यहां पुरुष एकल के एकतरफा फाइनल में ऑस्ट्रिया के डेविड पिचलर को सीधे सेटों में हराकर कलबुर्गी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के रूप में अपना तीसरा आईटीएफ खिताब जीता। पिछले सप्ताह आईटीएफ मुंबई ओपन का खिताब जीतने वाले रामकुमार ने पिचलर को केवल 64 मिनट में हराकर पिछले 57 दिनों की अवधि में अपना तीसरा आईटीएफ खिताब जीता। भारतीय डेविस कप टीम के खिलाड़ी रामकुमार को इस जीत पर 3200 अमेरिकी डॉलर का चेक और 25 एटीपी अंक मिले। पिचलर को 2120 अमेरिकी डॉलर के अलावा 16 एटीपी अंक मिले। रामकुमार ने जीत के बाद कहा कि लगातार दूसरा खिताब जीतकर मैं अच्छा महसूस कर रहा हूं। मैंने पिछले दो सप्ताह में अपनी सर्वश्रेष्ठ टेनिस का प्रदर्शन किया है।

रहाणे-पुजारा नहीं जाएंगे टीम इं???डिया के साउथ अफ्रीका दौरे पर

नई दिल्ली (ईएमएस)। साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेलने के लिए भारतीय टीम घोषित कर दी गई है। उम्मीद थी कि अजिंक्य रहाणे और चेतेश्वर पुजारा को स्क्वॉड में शामिल किया जाएगा। लेकिन ऐसा नहीं हुआ है। इस पर सौरव गांगुली ने भी कहा कि यह समय है उनके लिए मूव ऑन करने का। सौरव गांगली से एक इंटरव्यू के दौरान पूछा गया कि क्या रहाणे और पुजारा को टेस्ट सीरीज में मौका मिलना चाहिए था? इसपर गांगुली ने कहा कुछ समय पर आपको नए टैलेंट को मौका देने की जरूरत होती है। इंडिया में बहुत सारे टैलेंट हैं। टीम को अब आगे बढ़ने की जरूरत है। पुजारा और रहाणे ने भारत के लिए काफी क्रिकेट खेला है। उन्होंने भारत को कई मैच भी जिताए हैं। लेकिन यह समय अब उनके लिए नहीं है। ये सभी के साथ होता है। मैं उन्हें बेशक धन्यवाद देना चाहूंगा। जो भी उन्होंने भारतीय टीम के लिए किया है। बता दें ?कि चेतेश्वर पुजारा ने अपना आखिरी टेस्ट मैच इस साल वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था। डब्ल्यूटीसी फाइनल में पुजारा का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। उसके बाद उन्हें वेस्टइंडीज दौरे से भी बाहर कर दिया गया था। वहीं, अजिंक्य रहाणे ने भारत के लिए आखिरी टेस्ट इसी साल 2023 में जुलाई में खेला था। तब से खेलने का मौका नहीं मिला है।

बिश्नोई ने 10 महीने में बना ?लिया अश्विन के 6 साल में तैयार ?किया ?रिकार्ड

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत के युवा ?खिलाड़ी रवि बिश्नोई ने केवल दस माह में अ??श्विन के उस ?रिकार्ड को तोड़ ?दिया ?जिसे उसने 6 साल में तैयार ?किया था। र?वि ने वर्ल्ड कप फाइनल में भी खूब धूम मचाई थी। जहां भारत के युवा खिलाड़ियों ने कंगारू टीम के छक्के छुड़ा दिए। रवि बिश्नोई सीरीज के टॉप विकेट टेकर साबित हुए। फरवरी में टी20 में टीम इंडिया में डेब्यू करने वाले बिश्नोई ने महज 10 महीने में टीम इंडिया के फिरकी मास्टर आर अश्विन के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। रवि बिश्नोई ने टीम इंडिया की तरफ से अभी तक 21 टी20 मैच खेले हैं। उन्होंने इन मुकाबलों में 34 विकेट अपने नाम किए हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 मुकाबलों में बिश्नोई ने 9 विकेट अपने नाम किए। इसी के साथ वे किसी एक द्विपक्षीय सीरीज में भारत की तरफ से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं। बिश्नोई ने टीम इंडिया के स्टार स्पिनर आर अश्विन की बराबरी कर ली है। अश्विन ने साल 2016 में यह कारनामा किया था।

अश्विन ने टी20 डेब्यू के 6 साल बाद यह ?रिकार्ड बनाया जबकि बिश्नोई ने 10 महीनों में ही ये कमाल कर दिखाया है। बिश्नोई ने इस सीरीज में अपने पहले ही ओवर में बल्लेबाजों को ज्यादातर शिकार बनाया। 5 में से 4 मुकाबलों में बिश्नोई ने अपने पहले ही ओवर में विकेट हासिल किया। सीरीज के आखिरी मैच में जब टीम इंडिया मुश्किल में थी तो बिश्नोई ने 2 अहम विकेट लेकर बाजी पलट दी। आखिरी मैच में बिश्नोई और मुकेश कुमार की गेंदबाजी की बदौलत टीम इंडिया ने 6 रन से रोमांचक जीत हासिल की। आखिरी टी20 मुकाबले में टीम इंडिया की बैटिंग मुश्किल में नजर आई। इस बीच श्रेयस अय्यर टीम के ?लिए संकटमोचक के रुप में सामने आए।

बच्चों में फैल रही नई बीमारी से चीन सहित दुनिया भर में बढ़ी मुश्किलें

बीजिंग (ईएमएस)। चीन के ज्यादातर बच्चों में फैल रही रहस्यमयी बीमारी ने एक बार फिर से पूरी दुनिया में मु?श्किलें बढ़ा दी है। चीन में इस बीमारी से बच्चे सबसे ज्यादा पीड़ित हैं। यह बीमारी निमोनिया जैसी है, इससे पीड़ित बच्चों को सांस लेने में दिक्कत आ रही है। कहा जा रहा है कि इस बीमारी से पीड़ित लगभग सात हजार लोग प्रतिदिन अस्पताल आ रहे हैं। हालांकि चीन का कहना है कि इससे डरने की जरूरत नहीं है।

चीन के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि देश में सांस संबंधी बीमारियों में वृद्धि फ्लू और अन्य ज्ञात रोगाणुओं के कारण हुई है, न कि किसी नए वायरस के कारण। चीन में श्वसन संबंधी बीमारियों ने विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) का ध्यान आकर्षित किया है। चीन में किसी बीमारी के मामले बढ़ना दुनिया को डराने वाला है। क्योंकि 2019 में कोविड-19 भी यहीं से शुरू हुआ था और पूरी दुनिया में फैल गया था। बाद में कोविड-19 ने महामारी का रूप ले लिया था।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग के एक प्रवक्ता ने कहा कि श्वसन संबंधी संक्रमण के हालिया मामले इन्फ्लूएंजा वायरस, राइनोवायरस, रेस्पिरेटरी सिंकाइटियल वायरस या आरएसवी, एडेनोवायरस के साथ-साथ माइकोप्लाज्मा न्यूमोनिया जैसे सामान्य जीवाणुओं के कारण हुए हैं, जो श्वसन पथ के संक्रमण के लिए जिम्मेदार होते हैं। इस बीमारी के फैलने की सबसे बड़ी वजह में लगा सख्त लॉकडाउन का हटना है। तब से यह वहां पहली सर्दी है। जहां तक हम बच्चों में संक्रमण के बारे में जानते हैं, 5 वर्ष से कम उम्र के प्रत्येक बच्चे को साल में 3-8 बार वायरल संक्रमण होता है और प्रत्येक संक्रमण के साथ वह इसके प्रति प्रतिरक्षित हो जाता है।

सिंधिया गुट के 19 में सिर्फ बचे 6 विधायक, 13 को मिला था टिकट, 7 हारे

भोपाल (ईएमएस)। मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव की तस्वीर साफ हो गई है। भारतीय जनता पार्टी ने प्रचंड बहुमत से जीत हासिल कर ली है। राज्य की 230 विधानसभा सीटों में से बीजेपी ने 163 और कांग्रेस ने 66 सीटों पर जीत दर्ज की। इस बार के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के 13 समर्थकों को टिकट दिया था। जिसमें 6 नेता ही जीतकर आए हैं। साल 2020 में सिंधिया समर्थक 19 विधायकों ने कांग्रेस छोड़ भाजपा का दामन थामा था। इस बार विधानसभा के चुनाव में 19 में से 13 को ही टिकट मिला था। जिसमें 6 नेताओं ने जीत हासिल की। मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, बृजेंद्र यादव, गोविंद सिंह राजपूत, प्रभुराम चौधरी, तुलसी सिलावट, मनोज चौधरी ने जीत दर्ज की है।

वहीं सिंधिया समर्थक सात नेताओं को हार मिली है। रघुराज कंसाना, कमलेश जाटव, इमरती देवी, सुरेश धाकड़, महेंद्र सिसोदिया, जसपाल सिंह जज्जी और राजवर्धन दत्तीगांव को विधानसभा चुनाव में हार का मूंह देखना पड़ा। एमपी विधानसभा के चुनाव में सिंधिया समर्थक 8 मंत्रियों को टिकट दिया गया था। जिसमें 5 ने जीत हासिल की है, वहीं तीन मंत्रियों को हार का मुंह देखना पड़ा। राजवर्धन सिंह दत्तीगांव, सिसोदिया, धाकड़ ये तीन मंत्री चुनाव हार गए। वहीं 2020 में उपचुनाव जीतने के बावजूद भाजपा ने सिंधिया समर्थक 7 नेताओं को टिकट नहीं दिया। इनमें ओपीएस भदौरिया, मुन्नालाल गोयल, रक्षा सरोनिया, सुमित्रा देवी कास्डेकर, गिरिराज दंडोतिया, रणवीर जाटव, जसवंत जाटव का नाम शामिल है।

अखिलेश यादव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी जैसी बड़ी पार्टी से मुकाबला करना हैं तो बहुत तैयारी करनी होगी

लखनऊ (ईएमएस)। विधानसभा चुनाव नतीजों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अच्छे प्रदर्शन पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी जैसी बड़ी पार्टी से मुकाबला करना हैं तो बहुत तैयारी करनी होगी।

अखिलेश यादव ने सोमवार को वाराणसी में कहा, राजनीति में हम लोग निराश नहीं हैं, लोकतंत्र में ऐसे परिणाम आते रहते हैं। मान लीजिए जिस लोकसभा क्षेत्र में मैं बैठा हूं, वहां पांच लाख वोटों से भारतीय जनता पार्टी जीत जाती है। इसका मतलब यह नही है कि सबका साथ, सबका विकास और सबका सम्मान हो रहा हो। अभी भी बहुत सारे ऐसे लोग हैं, जो निराश हैं। जिन्हें उम्मीद थी, उनकी उम्मीद टूटी है।

उन्होंने कहा, राजनीति में परिणाम आते हैं और जो भी परिणाम आयेंगे, कोई भी राजनीतिक दल हो, उन्हें वह स्वीकार करेगा। लेकिन लड़ाई लंबी है, जिन लोगों को भारतीय जनता पार्टी जैसी बड़ी पार्टी से मुकाबला करना है, उन्हें बहुत तैयारी करनी पड़ेगी। बहुत अनुशासन में रहकर उन चीजों का मुकाबला करना पड़ेगा। हमें उम्मीद है कि आने वाले समय में परिणाम भिन्न होंगे।

यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी बेरोजगारी, महंगाई और किसान हित के मुद्दों पर आगामी लोकसभा का चुनाव लड़ेगी। इस दौरान उन्होंने हर घर बेरोजगार मांगे रोजगार नारा देते हुए कहा कि इस नारे के साथ समाजवादी पार्टी आगामी लोकसभा चुनाव के लिए जनता के बीच जाएगी। यादव ने कहा ,'' लोकसभा चुनाव के लिए कार्यकर्ता तैयार रहें, हम सर्वाधिक सीटों पर चुनाव लड़ेंगे और जीतेंगे।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार रोजगार बांटने का सिर्फ नाटक कर रही है, नौकरी मिलने वाले लोगों की यदि पड़ताल कर ली जाय तो हकीकत सामने आ जायेगी।

कांग्रेस के साथ गठबंधन पर सपा प्रमुख ने कहा कि मध्यप्रदेश में गठबंधन को लेकर बात बन नहीं पायी क्योंकि मध्यप्रदेश की परिस्थितियां अलग थी, लेकिन लोकसभा चुनाव में क्या स्थिति बनेगी यह आने वाला वक्त ही बताएगा।

भारत में आम चुनाव में घुसपैठ करने की चीन की कोशिश को मेटा ने किया विफल

4,700 फर्जी चीनी खातों की पहचान कर उन्हें हटाया

नई दिल्ली (ईएमएस)। मेटा ने अपनी रिपोर्ट में खुलासा किया है कि सोशल मीडिया प्लेटफार्म लगभग 4,700 फर्जी चीनी खातों की पहचान की और उन्हें हटा दिया है। यह खाते भारत और चीन में 2024 के चुनावों को बाधित करने के लिए बनाए गए थे। ये अकाउंट खुद को अमेरिकी और भारतीय बताकर विभाजनकारी विषयों पर गलत सूचनाएं फैला रहे थे।

फेसबुक, इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप की मूल कंपनी मेटा द्वारा हाल ही में जारी रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ कि मेटा ने चीन से उत्पन्न 4,700 से अधिक फर्जी खातों के एक बड़े नेटवर्क को सफलतापूर्वक नष्ट कर दिया है। अमेरिकी और भारतीय होने का दिखावा करने वाले ये खाते अमेरिकी राजनीति और अमेरिका-चीन संबंधों के साथ-साथ भारतीय राजनीति से संबंधित विभाजनकारी विषयों पर भ्रामक जानकारी प्रसारित करने में सक्रिय रूप से शामिल थे। जबकि मेटा ने स्पष्ट रूप से प्रोफाइल को बीजिंग में चीनी अधिकारियों से नहीं जोड़ा, कंपनी ने चीन से उत्पन्न होने वाले इसतरह के नेटवर्क में वृद्धि के बारे में चिंता व्यक्त की, खासकर 2024 के अमेरिकी चुनावों के साथ। मेटा के अनुसार, चीन अब इसतरह के भ्रामक नेटवर्क का तीसरा सबसे बड़ा भौगोलिक स्त्रोत है, जो रूस और ईरान से पीछे है।

मेटा की रिपोर्ट ने नेटवर्क के उद्देश्यों पर सवाल उठाते हुए कहा यह स्पष्ट नहीं है कि क्या यह दृष्टिकोण पक्षपातपूर्ण तनाव को बढ़ाने, इन राजनेताओं के समर्थकों के बीच दर्शकों का निर्माण करने, या प्रामाणिक सामग्री साझा करने वाले नकली खातों को अधिक वास्तविक दिखाने के लिए डिज़ाइन किया गया था। कंपनी की मॉडरेशन नीतियां उपयोगकर्ताओं को गुमराह करने के लिए झूठी पहचान के साथ मिलकर काम करने वाले खातों के समूहों के पोस्ट का जिक्र करते हुए समन्वित अप्रामाणिक व्यवहार पर सख्ती से रोक लगाती हैं। जबकि इन नेटवर्कों द्वारा साझा की गई सामग्री अक्सर सटीक समाचार कहानियों का संदर्भ देती है, मेटा ने कहा कि इरादा जनता की राय में हेरफेर करना, विभाजन पैदा करना और कुछ दृष्टिकोणों को कृत्रिम रूप से बढ़ावा देना है।

मेटा के अनुसार, वास्तविक उपयोगकर्ताओं के बीच लोकप्रियता हासिल करने से पहले व्यापक चीनी नेटवर्क को विफल किया गया था। मेटा में अप्रामाणिक व्यवहार की जांच का नेतृत्व कर रहे बेन निम्मो ने टिप्पणी की कि ये नेटवर्क अभी भी दर्शक बनाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं, लेकिन वे एक चेतावनी हैं, आगामी चुनावों से पहले लोगों को ऑनलाइन प्रभावित करने के लिए विदेशी खतरे वाले अभिनेताओं द्वारा चल रहे प्रयासों पर जोर दिया। बड़े चीनी नेटवर्क के अलावा, मेटा ने दो छोटे नेटवर्क का भी खुलासा किया, एक चीन से जो भारत और तिब्बत पर ध्यान केंद्रित कर रहा था, और दूसरा रूस से जो मुख्य रूप से यूक्रेन पर आक्रमण के बारे में अंग्रेजी में पोस्ट कर रहा था और टेलीग्राम चैनलों को बढ़ावा दे रहा था।

मेटा ने इस बात पर प्रकाश डाला कि प्रथम संशोधन कानूनी मामले से संबंधित एक संघीय फैसले के बाद, अमेरिकी सरकार ने जुलाई में कंपनी के साथ विदेशी प्रभाव नेटवर्क के बारे में जानकारी साझा करना बंद कर दिया था। यह निर्णय वर्तमान में सुप्रीम कोर्ट द्वारा विचाराधीन है, जो अमेरिकी सरकार और तकनीकी कंपनियों के बीच सहयोग और सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं के मुक्त भाषण पर इसके संभावित प्रभाव के बारे में व्यापक बहस में योगदान दे रहा है।

मणिपुर में इंटरनेट/मोबाइल डेटा, एमएमएस सेवाओं पर ढील देने की तैयारी

चंदेल (ईएमएस)। मणिपुर सरकार ने फिर लोगों को होने वाली असुविधाओं और मौजूदा कानून व्यवस्था की स्थिति को ध्यान में रखकर राज्य के क्षेत्रीय अधिकार क्षेत्र में इंटरनेट/मोबाइल डेटा, एमएमएस सेवाओं के निलंबन में तत्काल प्रभाव से ढील देने का फैसला किया है। सरकार द्वारा रविवार को जारी किए गए नवीनतम आदेशों में घोषणा की गई है कि मणिपुर राज्य के क्षेत्रीय अधिकार क्षेत्र में इंटरनेट/मोबाइल डेटा, एमएमएस सेवाओं के निलंबन में ढील दी गई है। सेवाओं में 18 दिसंबर तक 15 दिनों के लिए कुछ विशेष जिलों के निकटवर्ती क्षेत्रों के 2 किलोमीटर के दायरे में मोबाइल टावरों की खानपान सेवाओं को छोड़कर छूट दी गई है।

अधिसूचना के अनुसार चंदेल और काकचिंग, चुराचांदपुर और बिष्णुपुर जैसे जिलों के बीच के क्षेत्रों में दो किलोमीटर के दायरे में सेवाएं प्रदान करने वाले मोबाइल टावर की सेवाओं पर प्रतिबंध जारी रहेगा। इसके अलावा चुराचांदपुर और काकचिंग, कांगपोकपी और इंफाल पश्चिम, कांगपोकपी और इंफाल पूर्व, कांगपोकपी और थौबल तथा तेंगनौपाल और काकचिंग जैसे जिलों के बीच के क्षेत्रों में दो किलोमीटर के दायरे में यह प्रतिबंध रहेगा। मणिपुर में तीन मई को जातीय हिंसा भड़कने के बाद से सितंबर में कुछ दिनों को छोड़कर, मोबाइल इंटरनेट पर प्रतिबंध लगा हुआ है।

राज्य में मेइती समुदाय द्वारा अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा देने की मांग के विरोध में पहाड़ी जिलों में आदिवासी एकजुटता मार्च के आयोजन के बाद जातीय हिंसा भड़क गई थी, जिसमें अब तक 180 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है।

गले नहीं उतर रहे विधानसभा चुनाव के रिजल्ट-मायावती

लखनऊ (ईएमएस)। चार राज्यों के चुनाव के परिणामों पर बहुजन समाज पार्टी की सुप्रीमो मायावती ने सवाल उठा दिया है। मायावती ने इन परिणामों को एक तरफा जीत बताया है। उन्होंने कहा कि एक पार्टी को एकतरफा मिली जीत से वो अचंभित हैं। उन्होंने कहा कि नतीजों से हमें निराश नहीं होना है।

उन्होंने अपने एक्स हैंडल पर कई ट्वीट किया और लिखा-''देश के चार राज्यों में अभी हाल ही में हुए विधानसभा आमचुनाव के आए परिणाम एक पार्टी के पक्ष में एकतरफा होने से सभी लोगों का शंकित, अचंभित व चिन्तित होना स्वाभाविक, क्योंकि चुनाव के पूरे माहौल को देखते हुए ऐसा विचित्र परिणाम लोगों के गले के नीचे उतर पाना बहुत मुश्किल।''

''पूरे चुनाव के दौरान माहौल एकदम अलग व काँटे के संघर्ष जैसा दिलचस्प, किन्तु चुनाव परिणाम उससे बिल्कुल अलग होकर पूरी तरह से एकतरफा हो जाना, यह ऐसा रहस्यात्मक मामला है जिसपर गंभीर चिन्तिन व उसका समाधान जरूरी। लोगों की नब्ज पहचानने में भयंकर 'भूल-चूक' चुनावी चर्चा का नया विषय।'' ''बीएसपी के सभी लोगों ने पूरे तन, मन, धन व दमदारी के साथ यह चुनाव लड़ा, जिससे माहौल में नई जान आई, किन्तु उन्हें ऐसे अजूबे परिणाम से निराश कतई भी नहीं होना है बल्कि परमपूज्य बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर के जीवन संघर्षों से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ने का प्रयास करते रहना है। इस चुनावी परिणाम के संदर्भ में जमीनी रिपोर्ट लेकर आगे लोकसभा चुनाव की नए सिरे से तैयारी पर विचार-विमर्श के लिए पार्टी की आल इण्डिया की बैठक आगामी 10 दिसम्बर को लखनऊ में आहूत। चुनाव परिणाम से विचालित हुए बिना अम्बेडकरवादी मूवमेन्ट आगे बढ़ने का हिम्मत कभी भी नहीं हारेगा।''

12000 हेक्टेयर मे संतरा के बगीचों मैं सूखा

अरुणाचल (ईएमएस)। अरुणाचल प्रदेश के डंबुक गांव में संतरों की बहुत अच्छी फसल होती है।यहां के संतरे देश के सबसे अच्छे संतरों के रूप में जाने जाते हैं। यहां के संतरे विदेश में निर्यात किए जाते थे। इस बार यहां पर सूखे का असर पड़ा है।सूखे के कारण संतरे के पेड़ सूख रहे हैं। पेड़ों पर फल भी नहीं आ रहे हैं। जो फल आए भी थे, वह पकने के पहले ही जमीन पर गिर गए।

ग्लोबल वार्मिंग का सबसे ज्यादा असर अरुणाचल प्रदेश में देखा जा रहा है। अरुणाचल एग्रीकल्चर मार्केटिंग बोर्ड के सीईओ के अनुसार इस बार जम्मू में संतरे की फसल ना के बराबर रहोगी। यहां के किसानों का कहना है कि 1982 से वह संतरे की खेती कर रहे हैं। लेकिन यह स्थिति इसके पहले कभी भी नहीं देखी गई।

गाजा में मरने वाले फिलीस्तीनियों की संख्या बढ़कर 15,523 तक पहुंची

गाजा (ईएमएस)। हमास द्वारा संचालित स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा ?कि 7 अक्टूबर से गाजा पट्टी पर इजरायली हमलों में मरने वाले फिलिस्तीनियों की संख्या बढ़क?र 15,523 तक पहुंच गई है। एक समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार मंत्रालय के प्रवक्ता अशरफ अल-किदरा ने हाल ही में मी?डिया से चर्चा के दौरान कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं के पतन के बीच फिलिस्तीनी एन्क्लेव में घायलों की संख्या 41 हजार से अधिक हो गई है। अल-किद्रा ने कहा कि सैकड़ों घायलों का इलाज बेहद सीमित चिकित्सा संसाधनों के साथ जमीन पर किया जा रहा है, क्योंकि उत्तरी गाजा के अस्पताल आवश्यक स्वास्थ्य देखभाल करने में असमर्थ हो गए हैं। उन्होंने कहा कि गाजा पट्टी के सभी अस्पताल अपनी क्षमता से अधिक भरे हुए हैं और गंभीर मामलों को संभालने के लिए आवश्यक सर्जिकल संसाधनों की कमी है। अल-क़िद्रा ने घायलों को विदेश में उपचार कराने की अनुमति देने की धीमी व्यवस्था की आलोचना करते हुए कहा कि इज़राइल और हमास संघर्ष की शुरुआत के बाद से केवल 403 लोगों को गाजा पट्टी छोड़ने की अनुमति दी गई है। उन्होंने चिकित्सा आपूर्ति, दवाओं और ईंधन के प्रवाह को सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षित मानवीय गलियारों की मांग दोहराई और घायलों व रोगियों को इलाज के लिए विदेश यात्रा की अनुमति देने के प्रयासों का आह्वान किया।

अमरीकी युद्धपोत स?हित वाणिज्यिक जहाजों पर हमले

न्यूयार्क (ईएमएस)। लाल सागर ?स्थित अमरीकी युद्धपोत और कई वाणिज्यिक जहाजों पर हूती विद्रोहियों ने रविवार को हमले किये। एक अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि हमला यमन के साना में सुबह लगभग 10 बजे शुरू हुआ और पांच घंटे तक चला।अमरीकी रक्षा मंत्रालय के मुख्यालय पेंटागन ने बताया ?कि यमन के हूती विद्रोहियों ने दो जहाजों पर हमले का दावा किया, जिन्हें उसने इजराइल से संबंधित बताया। हालांकि, विद्रोहियों ने अमेरिकी नौसेना के जहाज को निशाना बनाने की बात स्वीकार नहीं की। यह हमला, पश्चिम एशिया में इजराइल-हमास युद्ध से जुड़े समुद्री हमलों की श्रृंखला में बड़ी वृद्धि होने को दर्शाता है।

पेंटागन ने कहा, ''हम यूएसएस कार्नी और लाल सागर में वाणिज्यिक जहाजों पर हमलों की खबर से अवगत हैं और जैसे ही विस्तृत जानकारी उपलब्ध होगी, हम प्रदान करेंगे।'' इससे पहले, ब्रिटिश सेना ने लाल सागर में एक संदिग्ध ड्रोन हमला और विस्फोट होने की जानकारी दी थी।

इस हमले को इजराइल-हमास युद्ध से जुड़े क्षेत्र पश्चिम एशिया में समुद्री हमलों की बढ़ती घटनाओं के रूप में देखा जा रहा है। यमन के हूती विद्रोहियों द्वारा लाल सागर में जहाजों पर हमले किये जा रहे हैं। विद्रोही इजराइल को निशाना बनाकर ड्रोन और मिसाइल भी दाग रहे हैं।

इन नेताओं की उम्र 70 के करीब, इनके भविष्य पर उठ रहे सवाल

नई दिल्ली (ईएमएस)। राजस्थान से लेकर तेलंगाना तक आए चुनाव नतीजों ने कई नेताओं को भविष्य की नई राह दिखाई है, तब कुछ के लिए यह डेड एंड जैसी स्थिति बन गई है। इन नेताओं की उम्र 70 के करीब है और 5 साल बाद होने वाले अगले चुनाव तक क्या स्थिति होगी, उसके बारे में कुछ कहा नहीं जा सकता। इन नेताओं में राजस्थान से अशोक गहलोत और वसुंधरा राजे हैं, जबकि मध्य प्रदेश में कमलनाथ और छत्तीसगढ़ में रमन सिंह के आगे यही स्थिति है। वहीं तेलंगाना में केसीआर के आगे भी यह संकट पैदा हो सकता है।

राजे को भाजपा ने इस बार सीएम फेस घोषित नहीं किया था। इसके बाद भी भाजपा ने 115 सीटें जीत ली हैं। खुद राजे ने पीएम नरेंद्र मोदी को जीत का क्रेडिट दिया है। इस बीच राजस्थान में सीएम पद को लेकर कई नाम चर्चा में हैं। इसमें महंत बालकनाथ, गजेंद्र सिंह शेखावत, अर्जुन राम मेघवाल और सतीश पूनिया जैसे नेता चर्चा में हैं। इसके बाद राजे के भविष्य को लेकर सवाल उठना लाजिमी है। उन्होंने खुद चुनाव प्रचार के दौरान अपने बारे में कयास पैदा कर दिए थे, जब उन्होंने कहा था कि उनके बेटे दुष्यंत सिंह सांसद के तौर पर अच्छा काम कर रहे हैं और उन्हें झालावाड़ को लेकर चिंतित होने की जरूरत नहीं है। 70 साल की हो चुकीं राजे यदि सीएम नहीं बनती हैं, तब आगे उनके लिए क्या अवसर होते हैं, यह कहना मुश्किल है। मध्य प्रदेश के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने कमलनाथ को ही आगे करके चुनाव लड़ा था। वह पूरे कैंपेन में सबसे आगे रहे, लेकिन नतीजा बेहद निराशा करने वाला रहा है। 77 साल के कमलनाथ का आगे क्या भविष्य होगा, यह कहना मुश्किल है। कुछ वक्त पहले उन्हें कांग्रेस अध्यक्ष बनाने की भी चर्चा थी, लेकिन उन्होंने भी दिलचस्पी नहीं दिखाई थी। इसके बाद अब उनके लिए कांग्रेस में क्या भूमिका होगी, यह कहना मुश्किल है। इसके अलावा पार्टी में दिग्विजय सिंह और उनके गुट के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर भी शुरू हो सकता है।

राजस्थान में बीते 5 सालों में अशोक गहलोत ने सचिन पायलट से अदावत के बीच ही सरकार चलाई थी। फिर चुनाव हुए तब उसमें भी इसका असर दिखा। अब नतीजे सामने हैं और गहलोत सत्ता से बाहर हो चुके हैं। उनकी उम्र फिलहाल 73 साल है, पायलट को हाईकमान ने जिस इंतजार की बात कही थी, वह शायद 5 साल बाद पूरा जाएगा। इसके बाद गहलोत राजस्थान या फिर केंद्र में कांग्रेस में किस भूमिका में हो, यह बड़ा सवाल है। माना जा रहा है कि उनकी सियासी पारी को अब विराम लग सकता है। छत्तीसगढ़ में भी भाजपा ने राजस्थान और एमपी की तरह ही बिना किसी सीएम फेस के चुनाव लड़ा था। इसके बाद भी चौंकाने वाले नतीजे आए हैं, तब क्रेडिट पीएम मोदी और केंद्रीय नेतृत्व को ही दिया जा रहा है। इस बीच सवाल यह भी है कि 15 सालों तक सीएम रहे रमन सिंह का क्या होगा। उनका नाम सीएम के लिए भी चर्चा में है, लेकिन पीएम मोदी जिस तरह नए प्रयोग करते रहे हैं, यह देखकर उनकी भूमिका को लेकर कयास भी खूब हैं। फिलहाल उनके लिए राह बहुत आसान नहीं लगती। तेलंगाना के गठन के लिए आंदोलन चलाने वाले केसीआर को 10 साल बाद सत्ता से बेदखल होना पड़ा है। केसीआर को खुद ही अपनी सीट पर मात झेलनी पड़ी और कांग्रेस को जीत मिली है। 69 साल के केसीआर 10 साल सीएम रहे हैं और अब अगली बार चुनाव तक उनकी उम्र 74 होगी। इसके बाद यह देखना होगा कि आगे की लड़ाई के लिए वह बेटे को तैयार करते हैं या फिर खुद राष्ट्रीय राजनीति की ओर रुख कर बेटे को राज्य में मौका देते हैं।

एक माह के दौरान पाकिस्तान में 34 प्रतिशत बढ़े आतंकवादी हमले

इस्लामाबाद (ईएमएस)। पाकिस्तान में एक माह में ही आतंकवादी हमलों में 34 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। यह आंकड़े केवल नवंबर महीने के हैं। जानकारी के अनुसार इस महीने देश में 63 आतंकवादी हमले हुए। एक थिंक टैंक की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। मी??डिया ने 'पाकिस्तान इंस्टीटयूट फॉर कॉन्फ्लिक्ट एंड सिक्योरिटी स्टडीज' (पीआईसीएसएस) थिंक टैंक के आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि नवंबर में 63 आतंकवादी हमलों में 83 लोगों की मौत हुईं, जिनमें सुरक्षा बलों के 37 जवान और 33 आम नागरिक शामिल थे। थिंक टैंक के अनुसार, नवंबर में आतंकवादी हमलों में 53 आम नागरिकों और सुरक्षा बलों के 36 कर्मियों सहित 89 व्यक्ति घायल हुए। अक्टूबर के आंकड़ों की तुलना में, नवंबर में आतंकवादी हमलों में 34 प्रतिशत की वृद्धि, मृतक संख्या में 63 प्रतिशत की वृद्धि और घायल व्यक्तियों की संख्या में 89 प्रतिशत की वृद्धि हुई। मी?डिया रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने नवंबर में कम से कम 59 आतंकवादियों को मार गिराया और कम से कम 18 संदिग्ध आतंकवादियों को गिरफ्तार किया।

आंकड़ों पर ध्यान दें तो 2023 के पहले 11 महीनों में 2022 की इसी अवधि की तुलना में आतंकवादी हमलों में 81 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इस दौरान घायलों की संख्या में भी 64 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। जब?कि जनवरी से नवंबर 2023 तक हुए 599 आतंकवादी हमलों में कुल 897 लोगों की मौत हुई और कुल 1,241 लोग घायल हुए। पाकिस्तान का अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत आतंकवादी हमलों से सबसे अधिक प्रभावित हुआ और वहां 51 हमलों में 54 लोगों की मौत हुई जब?कि 81 लोग घायल हुए। बलूचिस्तान प्रांत में नौ हमले हुए जिनमें 18 लोगों की मौत हुई। इनमें सुरक्षा बलों के 15 जवान और तीन आम नागरिक शामिल थे।

पांचवीं बार नीतिगत दरों में बदलाव से परहेज कर सकता है आरबीआई

- केंद्रीय बैंक मौद्रिक समीक्षा के निर्णय की घोषणा 8 दिसंबर को करेगा

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की 6 सदस्यों वाली मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) मौद्रिक समीक्षा के दौरान नीतिगत दरों में बदलाव से लगातार पांचवीं बार परहेज कर सकती है। इस बारे में एक सर्वेक्षण में सभी 10 प्रतिभागियों ने यही कहा। केंद्रीय बैंक मौद्रिक समीक्षा के निर्णय की घोषणा 8 दिसंबर को करेगा। मौद्रिक नीति समिति ने मई 2022 से फरवरी 2023 के बीच रीपो दर में 250 आधार अंक का इजाफा कर दिया, जिससे यह 6.5 फीसदी पर पहुंच गई। उसके बाद से ही दर जस की तस बनी हुई है। अर्थशा?स्त्रियों का कहना है ?कि मुद्रास्फीति अब भी तय लक्ष्य से ऊपर है और वृद्धि दर भी बढ़ रही है। इसलिए केंद्रीय बैंक का ध्यान मुद्रास्फीति को 4 फीसदी या उसके नीचे लाने पर होगा। मौद्रिक नीति समिति ने तरलता पर अंकुश लगाने की कोशिश की है और आगे भी वह ऐसा ही चाहेगी। बैंकिंग तंत्र में तरलता नवंबर में और भी घट गई है। यही वजह है कि आरबीआई ने पिछले गुरुवार को बैंकिंग तंत्र में 48,754 करोड़ रुपये डाले हैं। वस्तु एवं सेवा कर के मासिक भुगतान के कारण 21 नवंबर को तरलता में अंतर 5 साल के उच्च स्तर पर पहुंच गया था। केंद्रीय बैंक ने उस दिन भी 1.74 लाख करोड़ रुपये डाले थे। सर्वेक्षण में शामिल सभी प्रतिभागियों ने अनुमान लगाया कि एमपीसी के सदस्य उदारता खत्म करने के रुख पर कायम रहेंगे क्योंकि मुद्रास्फीति बढ़ने का जोखिम अब भी बना हुआ है। उनका कहना है ?कि आरबीआई का रुख समायोजन वापस लेने का ही रहेगा क्योंकि मुद्रास्फीति बढ़ने का जोखिम अब भी बना हुआ है। वृद्धि भी मजबूत बनी हुई है। इसलिए उनके पास मौद्रिक नीति में सख्ती बनाए रखने की गुंजाइश है।

यूपीआई से होने वाले फ्रॉड रोकने अलर्ट सिस्टम ला सकती है सरकार

मुंबई (ईएमएस)। डिजिटल बैंकिंग के बढ़ते प्रचलन के साथ ही बैंकिंग धोखाधड़ी के मामले भी तेजी से बढ़ते जा रहे हैं। सरकार अब इन पर रोक लगाने के ?लिए विभिन्न प्रस्तावों पर विचार कर रही है। खासकर यूपीआई के जरिए होने वाले फ्रॉड को लेकर सरकार को कई प्रस्ताव मिले हैं, जिन्हें जल्द ही लागू किया जा सकता है। एक रिपोर्ट में वित्त मंत्रालय के सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि वित्तीय संस्थान एक सीमा से अधिक डिजिटल भुगतान के लिए रैपिड अलर्ट सिस्टम अपना सकते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक बैंक और अन्य वित्तीय संस्थान 5000 रुपये से ज्यादा के डिजिटल पेमेंट के लिए रैपिड अलर्ट सिस्टम अपना सकते हैं। यह अलर्ट केवल नए यूजर्स या वेंडर्स के मामले में ही पूरी तरह से लागू किया जाएगा। इस अलर्ट सिस्टम के तहत जब कोई उपयोगकर्ता पहली बार किसी अन्य उपयोगकर्ता या विक्रेता को यूपीआई के ज?रिए 5000 रुपये से अधिक का भुगतान करता है, तो भुगतान शुरू करते ही उसे एक कॉल प्राप्त होगा। खाते से पैसे डेबिट होने से पहले वेरिफिकेशन मैसेज आएगा। सत्यापन के बाद ही उनके खाते से पैसे काटे जाएंगे। इस तरह संदिग्ध मामलों में भुगतान अपने आप अटक जाएगा। इस तरह का अलर्ट सिस्टम पहली बार लागू नहीं किया जा रहा है। कई वित्तीय संस्थान पहले ही ऐसी प्रणालियों को अपना चुके हैं। वित्त मंत्रालय के अधिकारियों का कहना है कि कई वित्तीय संस्थान पहले से ही उच्च मूल्य के लेनदेन के लिए ऐसे अलर्ट सिस्टम का उपयोग कर रहे हैं।

सोने की कीमत बढ़ी, चांदी के भाव नहीं बदले

नई ?दिल्ली (ईएमएस)। देशभर में सोमवार को सोने की कीमतों में बढ़ोतरी देखी जा रही है लेकिन चांदी के दाम नहीं बदले हैं। एक वेबसाइट के आंकड़ों के मुताबिक देशभर में 1 ग्राम 22 कैरेट सोने की औसत कीमत 5,885 रुपए जबकि 1 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 6,420 रुपए है। वहीं, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव 64,200 रुपए है।

नई दिल्ली में 22 कैरेट सोने की कीमत 59,000 रुपए और 24 कैरेट सोने की कीमत 64,350 रुपए है। चेन्नई में 22 कैरेट सोने की कीमत 59,750 रुपए और 24 कैरेट सोने की कीमत 65,180 रुपए है। सोमवार को भारत के प्रमुख शहरों में 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत इस प्रकार है- दिल्ली 64,350, चेन्नई 65,180, मुंबई 64,200, कोलकाता 64,200 और बेंगलुरू 64,200 रुपए। वहीं चांदी की बात करें तो 10 ग्राम चांदी की औसत कीमत 805 रुपए और 100 ग्राम चांदी की 8,050 रुपए है। चेन्नई में 1 किलो चांदी की कीमत 83,500 रुपए है। सोमवार को भारत के प्रमुख शहरों में 1 किलो चांदी की कीमत इस प्रकार है- दिल्ली 80,500, चेन्नई 83,500, मुंबई 80,500, कोलकाता 80,500 और बेंगलुरू 79,000 रुपए।

ज्वालामुखी फटने से तलहटी की ओर जा रहे 11 पर्वतारोहियों की मृत्यु

जकार्ता (ईएमएस)। इंडोनेशिया के सुमात्रा द्वीप पर स्थित सबसे सक्रिय ज्वालामुखी माउंट मेरापी के फटने से 11 पर्वतारोहियों की मौत और कुछ लोगों के लापता की खबर हैं। सोमवार को एक बचाव अधिकारी ने यह जानकारी देते हुए बताया बताया कि बचाव के दौरान पहले चरण में, 49 पर्वतारोही पाए गए ??जिन्हें अस्पताल ले जाया गया, और कुछ घर लौट आए। दूसरे चरण में, 14 लोग मिले, तीन बच गए और 11 अन्य की मौत हो गई।विस्फोट के बीच पर्वतारोही पहाड़ की तलहटी की ओर जा रहे थे।

अधिकारियों ने 75 पर्वतारोहियों की खोज के लिए लगभग 100 लोगों को तैनात किया है। समुद्र तल से 2,891 मीटर की ऊंचाई पर माउंट मेरापी की स?क्रियता से रविवार को 3,000 मीटर की राख का गुबार निकला। जो आसपास के क्षेत्र में फैल गईं।अधिकारियों ने मुख्य क्रेटर के 3 किलोमीटर के दायरे में लोगों को खतरे वाले क्षेत्र में जाने से रोक दिया है।

गौरतलब है कि मध्य जावा और योग्यकार्ता प्रांतों की सीमा पर स्थित, माउंट मेरापी में 1548 से नियमित रूप से विस्फोट होता रहा है। साल 2010 में एक बड़े विस्फोट में 353 लोग मारे गए और 20,000 से अधिक निवासी विस्थापित हुए। साल 2010 के बाद से, मेरापी ने कई छोटे विस्फोट हुए। इनमें से सबसे उल्लेखनीय दो फाइटिक विस्फोट हैं, जो नवंबर 2013 और मई 2018 में हुए थे। इसी साल जुलाई में मेरापी में महज 24 घंटे के अंदर 16 बार विस्फोट हुआ था।

हमास को आईडीएफ की चेतावनी : आत्मसमर्पण करें मृत कमांडर के भाग्य का सामना करें

तेल अवीव(ईएमएस)। हमास की शेजाया बटालियन को आत्मसमर्पण करने या बटालियन के मारे गए कमांडर विसम फरहत के भाग्य का सामना करने की इजरायल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने रविवार को चेतावनी दी। आईडीएफ प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल अविचाई अद्राई ने एक्स पर लिखा, यह फाइनल नोटिस है, आप सभी निशाने पर हैं। उन्होंने उस बटालियन के कमांडर की तस्वीरें भी साझा कीं जो उत्तरी गाजा के शेजाया इलाके से काम कर रही थी।आईडीएफ ने कहा कि सेना की 7वीं बख्तरबंद ब्रिगेड ने हमास के कई सदस्यों को मार गिराया है। आईडीएफ ने कहा कि उन्होंने जहाजों और सशस्त्र युद्ध केंद्रों सहित हमास के कई नौसैनिक प्रतिष्ठानों को भी नष्ट कर दिया है।

आचानक खूनी लाल रंग में बदल गया आसमान, खतरे की आहट से घबराए लोग

उलनबाटोर (ईएमएस)। मंगोलिया में शुक्रवार की सुबह आसमान अचानक गहरे खूनी-लाल रंग में बदलता देखा गया। हालां?कि लोग इसे ?किसी गहरे खतरे की आहट मान रहे हैं। जानकार लोग इसे एक असाधारण खगोलीय प्रदर्शन घटना, औरोरा बता रहे हैं। जब?कि वैज्ञानिकों ने इसे शनिवार को धरती से सौर तूफान के टकराने को जिम्मेदार बताया है। इस घटना ने लोगों को काफी आश्चर्यचकित कर दिया था। यह घटना, जिसे अरोरा के नाम से जाना जाता है, आमतौर पर ध्रुवों के करीब होती है और अक्सर हरे रंग की होती है। हालांकि मंगोलिया में देखे गए अरोरा एक आकर्षक लाल रंग के थे, जो पृथ्वी की सतह से 241 किलोमीटर ऊपर घटित हुआ था। यहां पर वायुमंडल बहुत पतला है, काफी ऊंचाई पर ऑक्सीजन के साथ सौर कणों की परस्पर क्रिया के कारण ये दुर्लभ घटना घटित हुई।

गौरतलब है ?कि लाल रंग की इस विशेष सेड को नॉर्दर्न लाइट्स या ऑरोरा बोरेलिस का सबसे असामान्य रंग माना जाता है। विशेषज्ञों ने बताया कि इस घटना के लिए सूर्य की मल्टीपल कोरोनल मास इजेक्शन (सीएमई) के सौर तूफान का परिणाम था, जो 27 नवंबर, 2023 को घटित हुआ था। लाल अरोरा इन सौर कणों के ऊंचाई पर ऑक्सीजन के अणुओं से टकराने का परिणाम हैं। वैज्ञानिकों ने बताया कि इतनी अधिक ऊंचाई पर, ऑक्सीजन का घनत्व कम होता है, और टकराव काफी कम होते हैं, जिसके परिणामस्वरूप अधिक सामान्य हरे रंग की बजाय लाल रंग की रोशनी का उत्सर्जन होता है।

यह प्रक्रिया नियॉन रोशनी के काम करने के तरीके के समान है, जिसमें उत्तेजित गैस परमाणु अपनी जमीनी स्थिति में लौटने पर प्रकाश के फोटॉन छोड़ते हैं। मंगोलिया में लाल अरोरा की घटना ने वैज्ञानिकों को निचले अक्षांशों पर सौर तूफानों के प्रभावों का अध्ययन करने का एक अनूठा अवसर प्रदान किया है। हालांकि यह दृश्य मंत्रमुग्ध कर देने वाला हो सकता है, लेकिन यह सूर्य की अपार शक्ति और हमारे टेक्नोलॉजी आधारित समाज पर सौर मौसम के प्रभावों को ?दिखाता है।

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में 7 दिसम्बर को गांधीनगर में आयोजित होगा स्टार्टअप कॉन्क्लेव 2023

- केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान और राज्य मंत्री राजीव चन्द्रशेखर विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे

- देशभर से यूनिकॉर्न स्टार्टअप्स, वेंचर कैपटलिस्ट्स और गुजरात के प्रमुख व्यवसायी होंगे शामिल

गांधीनगर (ईएमएस) गुजरात सरकार आगामी वाइब्रेंट गुजरात समिट 2024 के पूर्वार्ध के रूप में 7 दिसम्बर 2023 को गांधीनगर में मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल की अध्यक्षता में स्टार्टअप कॉन्क्लेव का आयोजन करने जा रही है। इस कार्यक्रम की जानकारी राज्य सरकार के उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री ऋषिकेश पटेल ने दी। ऋषिकेश पटेल ने बताया कि स्टार्टअप कॉन्क्लेव से संबंधित एक राउंड टेबल मीटिंग 6 दिसम्बर 2023 को गांधीनगर में आयोजित की जाएगी। इस मीटिंग में भारत सरकार के केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान और भारत सरकार के कौशल विकास व उद्यमिता तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर की भी विशेष उपस्थिति रहेंगे। इस स्टार्टअप कॉन्क्लेव में देशभर से यूनिकॉर्न स्टार्टअप्स, वेंचर कैपटलिस्ट्स और गुजरात के प्रमुख व्यापारी शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि यह राउंड टेबल मीटिंग और स्टार्टअप कॉन्क्लेव, देश व गुजरात में स्टार्टअप्स के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करने और प्रशासनिक तंत्र को और रिज़ीलिएंट बनाने में मदद करेगा। साथ ही, अनुपालनों के संदर्भ में भी नियामक सुधारों, कर प्रोत्साहन और स्टार्टअप इकोसिस्टम को बेहतर बनाने में ध्यान केन्द्रित करेगा। इस कॉन्क्लेव में भारत और गुजरात में वेंचर कैपटलिस्ट्स और प्राइवेट इक्विटी इन्वेस्टमेन्ट की स्थिति की समीक्षा और गुजरात में अधिक निवेश आकर्षित करने के अवसरों जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। इसके अलावा, कॉन्क्लेव में रीसर्च एंड डेवलपमेन्ट, मार्केट ऐक्सेस, फंडिंग और फाइनेंशियल इन्क्लूज़न के साथ-साथ स्टार्टअप की चुनौतियों पर भी विस्तार से चर्चा की जाएगी। ऋषिकेशभाई पटेल ने कहा कि स्टार्टअप कॉन्क्लेव-2023 स्टार्टअप्स, निवेशकों और एंजेल नेटवर्क को नए विचारों और नए अवसरों के आदान-प्रदान के लिए एक साथ लाने के लिए एक ऐतिहासिक कार्यक्रम होगा। यह कार्यक्रम विभिन्न सेशन्स, मास्टर क्लासेस और नेटवर्किंग के अवसरों की मेजबानी करेगा, जो विभिन्न राज्यों में सहयोग, रचनात्मकता, और स्टार्टअप इकोसिस्टम को मजबूत करने में मदद करेगा। मंत्री ने आगे बताया कि भारत सरकार ने इनोवेशन, स्टार्टअप और देश के स्टार्टअप इकोसिस्टम में निजी निवेश को बढ़ावा देने के लिए एक मजबूत इकोसिस्टम बनाने के उद्देश्य से 16 जनवरी 2016 को स्टार्टअप इंडिया लॉन्च किया था। 2016 में स्टार्टअप इंडिया पहल शुरू करने के बाद से, उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (अझ्घ्छ्ऊ) ने लगभग 99,000 स्टार्टअप को मान्यता दी है जो यह दिखाता है कि स्टार्टअप इंडिया की उपलब्धियों से उद्योग जगत को काफी प्रोत्साहन मिला है।

भारत को तीसरा सबसे बड़ा वैश्विक स्टार्टअप इकोसिस्टम बनाना है

स्टार्टअप कॉन्क्लेव का यह सेक्शन भारत के स्टार्टअप्स की अविश्वसनीय सफलता की कहानियों को दर्शाएगा। अझ्घ्छ्ऊ और स्टार्टअप-इंडिया के इनोवेशन की सफलता को प्रदर्शित किया जाएगा। भारत में अब तक लगभग 108 यूनिकॉर्न स्टार्टअप्स हैं जिनकी वैल्यू लगभग 340.80 बिलियन अमेरिकी डॉलर है। इन यूनिकॉर्न स्टार्टअप्स में से 44 यूनिकॉर्न्स वर्ष 2021 बने हैं जिनकी वैल्यू लगभग 93 बिलियन अमेरिकी डॉलर है। इसके बाद वर्ष 2022 में 21 यूनिकॉर्न्स हुए हैं जिनकी वैल्यू लगभग 27 बिलियन अमेरिकी डॉलर है। उच्च एवं तकनीकि मंत्री ने आगे बताया कि पहला यूनिकॉर्न 2011 में हुआ था, और वहीं वर्ष 2022 तक भारत में 100 यूनिकॉर्न स्टार्टअप्स का शतक पूरा हो गया है। विदेशी और स्थानीय निवेश भारतीय स्टार्टअप्स के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वर्तमान में भारत में लगभग 30 यूनिकॉर्न कंपनियाँ ऐसी हैं जो बड़े टर्नओवर वाली भारतीय स्टार्टअप कंपनियाँ हैं। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, इन 30 यूनिकॉर्न्स कंपनियों में से लगभग 18 यूनिकॉर्न कंपनियों में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (इञ्छ्) है। स्टार्टअप कॉन्क्लेव का यह सेगमेन्ट इन्वेस्टर्स को स्टार्टअप्स पर मार्गदर्शन देगा। अनुभवी निवेशकों का एक पैनल स्टार्टअप्स के लिए अपने अनुभव, सर्वोत्तम प्रथाओं और जोखिमों को साझा करेगा। ग्लोबल एक्सेलेरेटर सत्र में, ग्लोबल एक्सेलेरेटर्स स्टार्टअप के विकास और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे और इसमें प्रमुख एक्सेलेरेटर्स उपस्थित रहकर, वे अपनी क्षमताओं का परिचय देंगे।

मंत्री ने कहा कि जहाँ युवा प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अभूतपूर्व शोध का भरपूर लाभ उठा रहे हैं, वहीं राज्य सरकार ने भी नवीन पहल करके युवाओं को प्रोत्साहित किया है। स्टार्ट-अप और हैकथॉन के माध्यम से गुजरात आज सभी क्षेत्रों में स्टार्ट-अप के लिए देश का सबसे अच्छा स्टार्टअप इकोसिस्टम वाला राज्य बन गया है। उन्होंने कहा कि तत्कालीन मुख्यमंत्री और वर्तमान प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्य में स्टार्ट-अप की शुरुआत की। इसकी सफलता के परिणामस्वरूप, जनवरी 2016 में भारत सरकार द्वारा स्टार्ट-अप इंडिया के लॉन्च के बाद 2017 में पहला स्मार्ट इंडिया हैकथॉन (एसआईएच) आयोजित किया गया था। स्मार्ट इंडिया हैकथॉन, माननीय श्री नरेंद्र मोदी से प्रेरित होकर छात्रों को हमारे दैनिक जीवन में आने वाली कुछ कठिन समस्याओं को हल करने के लिए एक मंच प्रदान करने की एक राष्ट्रव्यापी पहल है। उन्होंने आगे कहा कि राज्य में न्यू इंडिया वाइब्रेंट हैकथॉन का ग्रैंड फिनाले गांधीनगर में संपन्न हुआ, जिसमें 1000 से अधिक छात्रों की 2067 टीमों ने राज्य के विभिन्न सरकारी विभागों-उद्योगों से संबंधित 231 समस्याओं के समाधान के लिए भाग लिया। अंतिम राउंड में समस्या कथनों को हल करने का सुझाव देने वाली 181 टीमों में से सर्वश्रेष्ठ 36 टीमों को इस प्रतियोगिता का विजेता घोषित किया गया है जिन्हें 42 लाख का पुरस्कार दिया जाएगा। विजेता टीम के छात्र संबंधित विभाग के साथ समन्वय स्थापित कर उपयोगी समाधान प्रदान करेंगे।

ऋषिकेश पटेल कहा कि राज्य में स्टार्टअप और इनोवेशन को प्रोत्साहन और सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से शिक्षा विभाग ने एक गैर-लाभकारी संगठन के रूप में एक समर्पित सरकारी कंपनी गुजरात स्टूडेंट स्टार्टअप एंड इनोवेशन हब (आई-हब) की स्थापना की है। प्रदेश के युवाओं के नवोन्वेषी एवं बौद्धिक विचारों को स्टार्ट-अप में बदलने के लिए विश्वस्तरीय सुविधाओं से युक्त अत्याधुनिक आई-हब भवन का निर्माण किया गया है, जिसका उद्घाटन कल किया जायेगा। अहमदाबाद के केसीजी परिसर में 100 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित, यह आई-हब बिल्डिंग एक साथ 500 स्टार्ट-अप को इनक्यूबेट करने की क्षमता रखती है। आई-हब शुरुआती चरण में स्टार्ट-अप्स को मार्केट में प्रवेश दिलाकर इनोवेटर्स को प्रोत्साहन और मार्गदर्शन प्रदान करेगा। स्टार्टअप्स को कानूनी, वित्तीय, तकनीकी, छ्ईं और पद्धति संबंधी मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा। स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक कौशल/ज्ञान/उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे। इन्क्यूबेशन, एक्सिलिरेशन और इन्वेस्टमेन्ट के लिए एंड-टू-एंड लिंकेज बनाकर स्टार्टअप इकोसिस्टम को मजबूत किया जाएगा। आई-हब की प्रमुख उपलब्धियों का विवरण देते हुए मंत्री ने कहा कि 4 लाख छात्रों के बीच स्टार्टअप क्षमता निर्माण कार्यक्रम, 2300 इनोवेटर्स को विभिन्न स्टार्ट-अप गतिविधियों में सहयोग, 439 स्टार्टअप्स को ग-प्लं के माध्यम से इन्क्यूबेशन सहायता, 35 वेंचर कैपटलिस्ट्स के साथ गठजोड़, और 114 महिला स्टार्टअप्स के लिए 350 करोड़ रुपए के इन्वेस्टमेन्ट स्टार्टअप में किए गए हैं।

गुजरात यूनिवर्सिटी के छात्रों ने स्टार्टअप र्पी के जरिए दुनिया का पहला स्मार्ट हेडफोन विकसित किया है। हमारे गुजरात के छात्रों ने ऐसे स्टार्टअप बनाए हैं जिनमें एक दृष्टिहीन व्यक्ति अपने सामने रखी किताब पढ़ सकता है या बिना कैमरे के हेड-फोन से तस्वीर पहचान सकता है। इन हेडफोन के जरिए 72 भाषाओं में टेक्स्ट सुना जा सकता है। इस स्टार्ट-अप ने 20 देशों में ऐसे 3.56 करोड़ हेडफोन बेचे हैं। एक अन्य महिला नेतृत्व वाली स्टार्ट-अप कंपनी ने माल की आवाजाही के लिए ट्रकों के ट्रैकिंग के लिए एक ऐप लॉन्च किया है। कृषि और स्वास्थ्य क्षेत्र में नवीनतम तकनीक और गहन तकनीक का उपयोग करके नए स्टार्टअप शुरू किए जा रहे हैं। ऐसी कई सफलता की कहानियाँ गुजरात राज्य की धरती पर आई-हब में साकार हुई हैं।

पैर में घुसे लोहे की राड के साथ अस्पताल पहुंचा युवक, एक घंटे बाद चिकित्सकों ने शुरू किया इलाज

सूरत (ईएमएस) शहर के स्मिमेर अस्पताल से स्टाफ की गंभीर लापरवाही की घटना सामने आई हैं एक युवक के पैर में लोहे की राड घुस गई थी और उसी अवस्था में लेकर उसके परिजन सूरत के स्मिमेर अस्पताल पहुंचें जहां अस्पताल स्टाफ ने एक घंटे तक परिवार को इस विभाग से उस विभाग के चक्कर कटवाए और एक घंटे बाद युवक का उपचार शुरू किया गया तब पीड़ित दर्द से कराहता रहा जानकारी के मुताबिक सूरत के सलाबतपुरा थानान्तर्गत नए कमेला संजयनगर में 28 वर्षीय संजय राठौड़ परिवार के साथ रहता हैं रविवार की दोपहर संजय अपने घर की पतरे की छत पर काम कर रहा था उस वक्त अचानक संजय जमीन पर गिर पड़ा और लोहे का एक राड उसके पैर में घुस गया पैर में घुसे राड के साथ संजय के परिजन उसे लेकर सूरत के स्मिमेर अस्पताल पहुंचें जहां दोपहर 2.53 बजे संजय के इलाज के लिए केस निकाला गया केस निकालने के बाद संजय का तुरंत उपचार शुरू करने के बजाए अस्पताल के स्टाफ ने उसके परिवार को इस विभाग से उस विभाग के चक्कर कटवाएं एक ओर दर्द से कराहता संजय और दूसरी अस्पताल स्टाफ का इधर से उधर चक्कर कटवाने से परिवार परेशान हो गया संजय का जब एक्सरे करवाने पहुंचे तो वहां भी कर्मचारी से विवाद हो गया जिसे देख अस्पताल के सिक्युरिटी जवान वहां पहुंच गए और मध्यस्थता कर संजय का तुरंत एक्सरे करवाया इस पूरी प्रक्रिया में एक घंटे से ज्यादा वक्त बीत गया और तब तक संजय दर्द से कराहता रहा लेकिन अस्पताल का स्टाफ उसे नजरअंदाज करता रहा करीब एक घंटे के बाद चिकित्सकों ने संजय का उपचार शुरू किया

लाल बत्ती के समान एक मामला वडोदरा में सामने आया है

वडोदरा के एक कारोबारी ने अज्ञात फ्रेंड रिक्वेस्ट स्वीकार कर लाखों गंवा दिए

साइबर माफिया ने ब्लैकमेल कर कारोबारी से लाखों रुपये वसूल लिए और यह कहकर अन्य रुपये भी हड़पने की साजिश रची ।

वडोदरा, ४ दिसंबर । शहर में एक लाल बत्ती के समान एक मामला सामने आया है । फेसबुक पर फ्रेंड रिक्वेस्ट कन्फर्म करने के बाद कारोबारी को तीन लाख रुपये से ज्यादा की चपत लग गई । फेसबुक से मिले व्हाट्सएप नंबर पर बात कर और वीडियो कॉल की स्क्रीन रिकॉर्ड कर साइबर माफिया ने ब्लैकमेल कर कारोबारी से लाखों रुपये वसूल लिए और यह कहकर अन्य रुपये भी हड़पने की साजिश रची कि वे सीबीआई से बात क्यों कर रहे हैं ।

साइबर क्राइम में मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच की जा रही है । इस संबंध में मिली जानकारी के मुताबिक शहर के हरणी इलाके में रहने वाले एक कारोबारी ने इस संबंध में साइबर क्राइम में शिकायत दर्ज कराई है । जिसमें उन्होंने कहा है कि व्यवसायी को २८ तारीख की रात फेसबुक पर अदिति अग्रवाल की फ्रेंड रिक्वेस्ट मिली । जिसे स्वीकार करने के बाद मैसेंजर में सामान्य बातचीत हुई । जिसके बाद उन्होंने मैसेज में मनचाहा फोन नंबर भी शेयर किया । जिसके बाद एक अज्ञात मोबाइल नंबर से व्हाट्सएप मैसेज आया । जिसमें मैसेज करने वाले ने अपना नाम अदिति बताया । कुछ देर बातचीत के बाद उसने कहा कि वह वीडियो कॉल करेगा । उसने वीडियो कॉल की और जब मैंने उठाया तो मेरे सामने एक नग्न लड़की बैठी थी और मेरी जानकारी के बिना यह निजी वीडियो कॉल स्क्रीन रिकॉर्ड की जा रही थी । जिसके बाद उसने मुझे इस बारे में एक वीडियो भेजा और इसे वायरल करने की धमकी दी और रुपये की मांग की । जिसके बाद इन लोगों ने मुझे धमकाया और ऑनलाइन ट्रांजैक्शन से थोड़ा-थोड़ा करके ३.३३ लाख रुपये ऐंठ लिए । जिसके बाद १ दिसंबर को दोपहर में एक अनजान नंबर से वॉयस कॉल आई । जिसने सीबीआई अधिकारी के नाम पर पैसे की मांग की । इसकी शिकायत मिलने पर साइबर क्राइम ने गूगल पे, एचडीएफसी, जीओ पेमेंट बैंक समेत कुल ८ अलग-अलग नंबर रखने वाले एक शख्स के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की जांच की है ।

राजकोट में सूदखोरों ने हद कर दी

सूदखोरों ने एक १४ साल की लड़की के साथ बलात्कार किया

१७ साल की बेटी से सूदखोरों द्वारा दुष्कर्म करने और परिवार के सदस्यों का अपहरण करने का मामला सामने आया है ।

आणंद, ४ दिसंबर । गुजरात में एक बार फिर सूदखोरों द्वारा प्रताड़ना की घटना सामने आई है, राजकोट में सूदखोरों ने पैसे ऐंठने के साथ-साथ रेप की वारदात को भी अंजाम दिया है । राजकोट में शिकायत दर्ज की गई है कि सूदखोरों ने एक १४ साल की लड़की के साथ एक बार नहीं बल्कि दो बार बलात्कार किया है । फिलहाल क्राइम ब्रांच ने पांच लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज की है, जिनमें से तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है । सामने आया है कि इससे पहले भी इन सूदखोरों ने १७ साल की बेटी के साथ दुष्कर्म किया था और परिवार के सदस्यों का अपहरण भी कर लिया था ।

मिली जानकारी के मुताबिक राजकोट क्राइम ब्रांच में शिकायत दर्ज कराई गई है कि १४ साल की एक लड़की के साथ सूदखोरों ने दो बार रेप किया । क्राइम ब्रांच ने तीन लोगों को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है । घटना यह है कि राजकोट में साहूकारों ने एक परिवार से एक लाख रुपये की उगाही शुरू कर दी, इस परिवार के चार सदस्यों का सूदखोरों ने अपहरण कर लिया और बाद में १४ साल की लड़की के साथ दो बार बलात्कार किया गया । इन सूदखोरों ने फर्जी तरीके से एक लाख रुपये की मांग की थी और इस घटना में पुलिस में शिकायत के बावजूद सूदखोरों ने १४ साल की लड़की के साथ उसके परिवार के सामने दो बार बलात्कार किया । १७ साल की बेटी से पहले भी हुई थी छेड़छाड़ जब सूदखोर पीड़ित परिवार के घर अतिरिक्तरुपये वसूलने जा रहे थे ।

इस घटना में पहले १७ साल की बेटी के साथ छेड़छाड़ की गई थी और इस बेटी ने पुलिस कमिश्नर ऑफिस में दवा पीकर आत्महत्या करने की भी कोशिश की थी । सूदखोरों का उत्पीड़न इस हद तक बढ़ गया था कि उन्होंने परिवार पर बार-बार छेड़छाड़ की शिकायत वापस लेने का दबाव डाला और १७ वर्षीय बेटी की आत्महत्या का प्रयास किया । शिकायत वापस लिए बिना, सूदखोरों ने पीड़ित परिवार के चार सदस्यों का अपहरण कर लिया, बाद में १४ वर्षीय लड़की के साथ दो बार बलात्कार किया । इस पूरी घटना के बाद पुलिस ने इस घटना में आरोपी हकुभा खिया, उनकी पत्नी खातुबेन, बेटे एज़ाद, बहू सोनिबेन एज़ाद खियानी और एक अन्य अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ कुल पांच शिकायतें दर्ज कीं । आईपीसी की धारा ३७६(२) और (३), ३६३, ३६५, ५०४, ५०६, ३२३, ११४, क्ष्ष्स्ह एक्ट की धारा-६, अत्याचार अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया और आगे की कार्रवाई की गई, अब क्राइम ब्रांच पुलिस ने तीन को गिरफ्तार कर लिया है । इस मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है ।

लव मैरिज की रंजिश में एसआरपी जवान के घर में घुसकर 11 शख्सों ने की तोड़फोड़

आणंद (ईएमएस) जिले के एक गांव में लव मैरिज की रंजिश को लेकर बीती रात एसआरपी जवान के घर में 11 जितने शख्स घुस गए और तोड़फोड़ कर फरार हो गए पुलिस ने 11 लोगों के खिलाफ रायोटिंग एक्ट के तहत केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू की हैं घटना आणंद जिले की उमरेठ तहसील के धुलेटा गांव की हैं धुलेटा गांव निवासी एसआरपी के एक जवान के बेटे ने लव मैरिज की थी और इस लेकर काफी समय से दो पक्षों के बीच विवाद चल रहा था इसी रंजिश को लेकर दूसरे पक्ष के 11 जितने लोगों ने एसआरपी जवान के घर पर हमला कर दिया पाइप, लाठी समेत हथियारों के साथ आए हमलावरों ने घर में भारी तोड़फोड़ की घर के खिड़की-दरवाजा इत्यादि भी तोड़ दिए और फरार हो गए देर आतंक की यह घटना निकट के सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई इस संदर्भ में उमरेठ पुलिस ने 11 आरोपियों के खिलाफ रायोटिंग एक्ट के तहत केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू की हैं

गुजरात के कई हिस्सों पर पड़ेगा असर

मावठा के बाद धुंध भरी बारिश का दौर शुरू होगा

अहमदाबाद, ४ दिसंबर । सर्दी के दौरान प्रदेश का मौसम बदल रहा है । साथ ही कड़ाके की ठंड महसूस हो रही है, सामान्य ठंड आ रही है और आर्द्र हवाओं के साथ बारिश की फुहारें आ रही हैं । बंगाल की खाड़ी में बने तूफान के कारण गुजरात के मौसम पर भी असर पड़ा है और हवाओं की दिशा बदल रही है और ठंड नहीं बल्कि ठंड बढ़ रही है । मौसम वैज्ञानिक परेश गोस्वामी ने अपने यूट्यूब चैनल पर एक वीडियो अपलोड कर बताया है कि धुंध भरी बारिश होने की संभावना है, साथ ही मावठा का दौर कब तक जारी रहेगा और कौन से क्षेत्र प्रभावित होंगे । जिसमें उन्होंने तूफान, ठंड, बारिश और धुंध के बारे में विस्तार से बात की है । बंगाल की खाड़ी में तूफान आया हुआ है । ये तूफान धीरे-धीरे आगे बढ़ रहा है । यह तमिलनाडु के तट के पास पहुंचेगा और उत्तर-पश्चिम की ओर दिशा बदल देगा । इसके ५ दिसंबर की सुबह आंध्र प्रदेश में उतरने की संभावना है । लैंडिंग के समय इसकी गति ९५ से १०० किमी प्रति घंटा होगी । इसकी तेज़ हवाओं की गति ११० किमी तक हो सकती है । इसके चलते दक्षिण भारत के कुछ हिस्सों में ६ दिसंबर तक बारिश जारी रहेगी । यह तूफान गुजरात को इस तरह प्रभावित करने वाला है कि नवंबर के मध्य से ही उत्तर-पूर्वी हवाएं शुरू हो चुकी हैं । बंगाल की खाड़ी में तूफान बनने से गुजरात में हवाओं का रुख बदल गया है । कई जगहों पर हवाएं पश्चिम दिशा से वापस आ रही हैं । इस तूफान के कारण हवाओं की दिशा बदल गई है और हवाएं नम आ रही हैं । जिसके चलते प्रदेश में कई जगहों पर बादल छाए हुए हैं । जिसके चलते पिछले दो दिनों से बारिश के छिटपुट झोंके देखने को मिल रहे हैं । अगले २४ घंटों तक राज्य के कुछ हिस्सों में झमाझम बारिश की संभावना बनी रहेगी । ४ तारीख को देर रात तक मौसम में बदलाव रहेगा । मावठा महिसागर, छोटाउदेपुर, दाहोद, गोधरा, राजपिपला, वडोदरा जिले, भरूच में हो सकता है । मोरबी, सुरेंद्रनगर, बोटाद और उत्तरी गुजरात में भी बिखरे हुए झुंड पाए जा सकते हैं । ये छिटपुट सामान्य हल्की बारिश हैं । भारी बारिश नहीं होने वाली है । पांच दिसंबर से मौसम फिर साफ हो जाएगा । तूफान के असर से राज्य में हाहाकार मच गया है । उत्तर भारत के पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी शुरू हो गई है । ५ दिसंबर को देश के कई राज्यों के चक्रवात के प्रभाव से मुक्त होने के बाद गुजरात में हवाओं की दिशा फिर बदल जाएगी और ५ तारीख से उत्तर-पूर्वी हवाएं चलेंगी । ६ तारीख से गुजरात में कभी भी तापमान गिरेगा और ठंड महसूस होगी । छह दिसंबर से ठंड का दौर शुरू होने के आसार हैं । ५ दिसंबर से गुजरात के उत्तरी गुजरात, कच्छ और सौराष्ट्र के कुछ हिस्सों में धुंध भरी बारिश का दौर शुरू हो जाएगा । क्योंकि, धुंध की बारिश के कारण सर्दियों की फसलों में होने वाले बदलावों को ध्यान में रखना होगा ।

पानी देना है या नहीं देना है, इसका निर्णय अलग-अलग फसलों के हिसाब से करना पड़ता है । हर किसान को यह भी ध्यान रखना होगा कि ५ दिसंबर से प्रदेश के कई इलाकों में कोहरे का दौर आ रहा है । संभावना है कि यह दौर तीन से चार दिन तक चलेगा । यह धुंध भी पूरे क्षेत्र में नहीं होगी, जिससे बिखरे हुए क्षेत्र प्रभावित होंगे ।

'अदालत में जमानत मिल नहीं रही, चुनाव में जब्त हो रही है

इस पर आम आदमी पार्टी ने पलटवार करते हुए गृह मंत्री से कई सवाल पूछ लिए हैं ।

अहमदाबाद, ४ दिसंबर । मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा है कि अदालत में मिल नहीं रही, चुनाव में ज़ब्त हो रही है भैया बात जामानत की है!! उनके इस ट्वीट पर आम आदमी पार्टी ने कड़ा पलटवार किया है । आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रमुख इसुदान गढ़वी ने संघवी के बयान पर कहा है कि उन्हें आम आदमी पार्टी पर चुटकी लेने की बजाए प्रदेश की व्यवस्था पर ध्यान देना चाहिए । गढ़वी ने कहा राज्य में फर्जी पीएमओ, फर्जी सीएमओ, फर्जी आईपीएस, फर्जी कचहरी और फर्जी टोल नाके पकड़े जा रहे हैं । गृह मंत्री को इन पर ध्यान देना चाहिए । गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी का यह ट्वीट चार राज्यों के चुनाव परिणाम के बाद आया है । इसमें उन्होंने आप नेताओं से जुड़ा हुए एक कोलॉज भी डाला है । आम आदमी पार्टी को पांच राज्यों में चुनावों में काफी कम वोट मिले हैं । गुजरात के गृह राज्य मंत्री का ट्वीट पांच राज्यों में आम आदमी पार्टी के प्रदर्शन पर हैं । जिसमें पार्टी अपनी जमानत नहीं बचा पाई है । मध्य प्रदेश में अरविंद केजरीवाल ने काफी जोर लगाया था, लेकिन आप के फीके प्रदर्शन पर गुजरात की राजनीति गरमा गई है । इसुदान गढ़वी ने पलटवार करते हुए कहा कि आप देश की वह पार्टी है जो दो राज्यों में सरकार चला रही है । इसके साथ ही उन्होंने राज्यों में तमाम खामियों फर्जीवाड़ों को गिनाते हुए गृह राज्य में से उनकी चिंता करने को कहा है । गढ़वी ने पूछा है कि अन्य राज्यों की तरह गुजरात में कब ५०० रुपये में सिलेंडर मिलेगा । पिछले साल हुए गुजरात विधानसभा में चुनाव आम आदमी पार्टी ने १४ फीसदी वोट हासिल करते हुए पांच सीटें जीती थीं । इसके बाद पार्टी को राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा मिल गया था । गुजरात चुनावों में बीजेपी को सबसे बड़ी जीत मिली थी । पार्टी ने १८२ में १५६ सीटें जीती थीं ।

सड़क पर बंद खड़े ट्रेक्टर के पीछे घुसी मोटर साइकिल, दो श्रमिकों की मौत, एक गंभीर

राजकोट (ईएमएस) गोंडल-घोघावदर रोड पर बंद ट्रेक्टर के पीछे मोटर साइकिल टकरा गई इस हादसे में बाइक सवार दो श्रमिकों की मौत हो गई, जबकि तीसरा बुरी तरह घायल हो गया जानकारी के अनुसार राजकोट जिले की गोंडल तहसील के सांढवाया गांव की सीमा क्षेत्र में रहनेवाले तीन श्रमिक एक मोटर साइकिल पर गोंडल से सांढवाया की ओर जा रहे थे गोंडल-घोघावदर सड़क पर बाइक सवार तीनों श्रमिक एक पेट्रोल पंप के निकट से गुजर रहे थे रास्ते में एक ट्रेक्टर बंद पड़ा था, जिसके पीछे तेज रफ्तार बाइक धमाके के साथ घुस गई

गुजरात सरकार के उद्योग मंत्री बलवंतसिंह राजपूत का मलेशिया दौरा संपन्न

- गुजरात और मलेशिया के बीच सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक संबंध होंगे मजबूत

गांधीनगर (ईएमएस) गुजरात सरकार के उद्योग (एमएसएमई), नागरिक उड्डयन तथा श्रम एवं रोजगार मंत्री बलवंत सिंह राजपूत ने 30 नवंबर से 02 दिसंबर, 2023 के दौरान मलेशिया का दौरा किया। उनके इस दौरे ने गुजरात और मलेशिया के बीच सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक संबंधों को मजबूती देने में अहम भूमिका निभाई। मंत्री श्री बलवंत सिंह राजपूत ने अपने दौरे के पहले दिन पॉम आयल प्लांटेशन और रिफाइनिंग क्षेत्र की कई संस्थाओं के प्रमुखों और विभिन्न कंपनियों के वरिष्ठ प्रतिनिधियों के साथ मुलाकात की। इन मुलाकातों के दौरान मंत्री ने पॉम वृक्षों की बुवाई के लिए गुजरात में निहित अवसरों तथा गुजरात और मलेशिया के बीच पॉम ऑयल क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) के विभिन्न अवसरों के संबंध में वार्ता की। मंत्री बलवंत सिंह राजपूत ने मलेशिया सरकार के निवेश, व्यापार एवं उद्योग विभाग के उप मंत्री ल्यू चिन टोंग के साथ मुलाकात की। मुलाकात के दौरान उन्होंने उत्पादन, कौशल विकास और शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग के लिए विभिन्न चर्चाएं कीं। इस अवसर पर मंत्री ने उन्हें जनवरी में आयोजित होने जा रही 10वीं वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट 2024 में हिस्सा लेने का आमंत्रण दिया। इसके अलावा, कुआलालम्पुर में भारत के उच्चायुक्त ने इंडिया हाउस में मंत्री बलवंत सिंह राजपूत, विदेश राज्य मंत्री डॉ. राजकुमार रंजन सिंह, कई बिजनेस चैम्बर के प्रमुखों और मलेशिया के उद्योग प्रतिनिधियों के लिए एक रात्रि भोज का आयोजन भी किया। मलेशिया दौरे के दूसरे दिन मंत्री बलवंत सिंह राजपूत ने प्रतिष्ठित पेट्रोनास ट्विन टॉवर का दौरा किया। साथ ही, वे ईश्वर का आशीर्वाद लेने के लिए कुआलालम्पुर में बाटू गुफा मंदिर भी गए। इसके अतिरिक्त, राजपूत ने कुआलालम्पुर में गुजराती समाज की ओर से आयोजित कार्यक्रम में भी भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व के तहत गुजरात की विकास यात्रा और हाल के दिनों में उनके द्वारा शुरू की गई राष्ट्रीय स्तर की पहलों पर प्रकाश डाला। मलेशिया दौरे के दूसरे दिन ग्लोबल ऑर्गनाइजेशन ऑफ पीपुल ऑफ इंडियन ओरिजिन (जीओपीआईओ) की ओर से पहली बिजनेस समिट भी आयोजित की गई। इस समिट का उद्घाटन माननीय मंत्री बलवंत सिंह राजपूत, विदेश राज्य मंत्री डॉ. राजकुमार रंजन सिंह, मलेशिया सरकार की उद्यमिता एवं सहकारी विकास उप मंत्री तथा वाईबी सीनेटर सुश्री सरस्वती कंडासामी और कुआलालम्पुर में भारत के उच्चायुक्त बी.एन. रेड्डी द्वारा किया गया। इस समिट में 15 देशों से आए भारतीय मूल के लोगों (पीआईओ) ने हिस्सा लिया। माननीय मंत्री श्री बलवंत सिंह राजपूत ने जीओपीआई समिट को संबोधित किया। संबोधन के दौरान मंत्री ने अंतरराष्ट्रीय व्यापारी समुदाय के लिए गुजरात में मौजूद विभिन्न अवसरों के संबंध में बात की और पीआईओ समुदाय को इस बात के लिए प्रेरित किया कि वे प्रधानमंत्री के 'विकसित भारतँ2047' के विजन को पूरा करने में अपनी हिस्सेदारी निभाएं। उन्होंने इस पहल के लिए गुजरात सरकार की प्रतिबद्धता भी व्यक्त की और प्रतिनिधियों को वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट 2024 में भाग लेने तथा गुजरात में मौजूद अवसरों की तलाश करने के लिए आमंत्रित किया। इसके अतिरिक्त, गुजरात औद्योगिक विकास निगम लिमिटेड (जीआईडीसी) के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक डॉ. राहुल गुप्ता (आईएएस) ने भी गुजरात में निवेश के अवसरों के बारे में एक विस्तृत प्रेजेंटेशन दिया। अपने दौरे के आखिरी दिन मंत्री बलवंत सिंह राजपूत ने मलेशिया के पेनांग में स्थित माइक्रोन की विश्व स्तरीय सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी का दौरा किया। इस दौरान माइक्रोन की टीम ने गुजरात के साणंद में निर्माणाधीन भारत की पहली सेमीकंडक्टर फैसिलिटी का ब्यौरा साझा किया और इस क्षेत्र की नवीनतम तकनीकों का प्रदर्शन किया, जिसे उन्होंने भारत में शुरू किया है।

साल भर की कमाई एक ही दिन में बह गई

कच्ची ईंटें मिट्टी से भीग जाने के कारण भारी क्षति हुई

बोटाद, ४ दिसंबर । बोटाद जिले में १०० से अधिक ईंट भट्टे हैं । सर्दी के मौसम में ईंट बिछाने का काम चल रहा है । कच्ची ईंटें तैयार कर सुखा ली जाती हैं और पकाने के लिए डाल दी जाती हैं । वर्तमान में ईंटों की मांग अच्छी है इसलिए व्यापारी पहले से ही कच्चा माल खरीदकर साइट पर रख लेते हैं । बोटाद जिले में बेमौसम बारिश से ईंट भट्टे की कच्ची ईंटें भीग गईं । इससे करीब छह लाख रुपये का नुकसान हुआ । गढ़दा शहर और तालुका के गांवों के अधिकांश भट्टों में कच्ची ईंटें तैयार की जाती थीं और उन्हें सूखने के लिए बिछाया जाता था । फिर कुछ दिन पहले गढ़ा, बोटाद, राणपुर और बरवाला तालुका समेत आसपास के इलाकों में सुबह-सुबह तेज हवा, बिजली और ओलावृष्टि के साथ भारी तूफान आया था । जिससे मानसून जैसा माहौल बन गया । वहीं कई जगहों पर नदियों में बाढ़ जैसे हालात भी बन गए । साथ ही कुछ जगहों पर भारी बारिश भी हुई । इसके कारण गढ़ा शहर और ग्रामीण इलाकों में कुल १५ से अधिक कच्ची ईंट भट्ठियां बारिश में बह गयीं, जिससे लगभग ६ लाख की क्षति हुई है । बोटाद जिले के अधिकांश ईंट भट्टों में वर्तमान में पुर जैश में कच्ची ईंटें बनाने का काम किया जा रहा है । कच्ची ईंट बनाने का काम स्थानीय के साथ-साथ यूपी, बिहार से मजदूर लाकर किया जाता है । अधिकांश भट्टों पर करीब ५० हजार से डेढ़ लाख तक कच्ची ईंटें तैयार कर सूखने के लिए रखी जाती थीं । बारिश के कारण कच्ची ईंटें बह गईं । गढ़दा तालुका में १५ भट्ठों में २ लाख से अधिक कच्ची ईंटें बह गईं । लगभग ६ लाख का नुकसान हुआ है । व्यापारी धीरूभाई बेचरभाई बावलिया ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से कच्ची ईंटें बनाने का काम चल रहा था । करीब ५० हजार कच्ची ईंटें तैयार कर सूखने के लिए डाल दी गईं । तूफान के कारण ईंटों पर लगी मिट्टी बह गई और पिघल गई । जिससे हमें लगभग ५० हजार का नुकसान हुआ है । गढ़ड़ा के धीरूभाई बावलिया ने बताया कि गढ़ड़ा में ७ भट्ठों पर कच्ची ईंटें बनाई जा रही हैं । अचानक हुई बारिश से इन सभी जगहों पर कच्ची ईंटें पानी में बह गईं । हमारी पूरे साल की कमाई इस एक अप्रत्याशित बारिश में बह गई है ।

पश्चिम रेलवे - वडोदरा मंडल

विभिन्न विद्युत कार्य

निविदा आमंत्रित करती सूचना

EL/50/1/29 (23-24) Dt.30-11-2023

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए मंडल रेल प्रबंधक (विद्युत), पश्चिम रेलवे, वडोदरा मंडल अनुभवी एवं विश्वसनीय संविदाकारों से निम्नानुसार कार्य के लिए भारतीय रेलवे की वेबसाईट www.ireps.gov.in पर ई-निविदाएं आमंत्रित करते है। **क्रम सं.1: निविदा सं.** BRC-EL-P-30-1106A-23-24. **कार्य का नाम:** वडोदरा मंडल : वडोदरा RRI – वडोदरा स्टेशन अंतर्गत नये EI (RRI) भवन का प्रावधान करने के सम्बन्ध में विद्युत कार्य । **अनुमानित लागत (रु.):** ₹ 62,41,707.00, **ईएमडी (रु.):** ₹ 1,24,800, **क्रम सं.2:** निविदा सं. BRC-EL-P-29-ABSS-FOB-23-24. **कार्य का नाम:** वडोदरा मंडल : अमृत स्टेशनो के संबंध में वडोदरा मंडल पर विभिन्न स्टेशनो अंतर्गत (बाहर-से-बाहर) 12.0 मीटर चौडे फुट ऑवर ब्रिज के प्रावधान के संबंध में विद्युत कार्य । **अनुमानित लागत (रु.):** ₹ 2,10,27,599.00, **ईएमडी (रु.):** ₹ 2,55,100, **दोनों निविदा के लिए:** निविदा शुल्क (रु.): शून्य, **ई-निविदा बंद करने की तारीख:** दिनांक: 26/12/2023 **वेबसाईट का विवरण:** www.ireps.gov.in **कार्यालय का पता:** वरि. मंडल विद्युत इंजीनियर (पावर), पश्चिम रेलवे, प्रतापनगर, वडोदरा-390004.

BRC-246

हमें फॉलो करें: twitter.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

सामग्री प्रबंधन विभाग

ई-नीलामी बिक्री कार्यक्रम हेतु शुद्धिपत्र

दिसंबर 2023 के दौरान पी.वे तथा अन्य विविध स्क्रैप की पुनः निर्धारित ई-नीलामी बिक्री कार्यक्रम

कृपया उक्त कार्यालय की ई-नीलामी बिक्री अधिसूचना क्र. एसाIII/नीलामी कार्यक्रम-1/दिसंबर दिनांक - 22.11.2023 देखें. उपरोक्त निर्दिष्ट ई-नीलामी कार्यक्रम हेतु निम्नलिखित अनुसार शुद्धिपत्र जारी किया जाता है :-

पूर्व प्रकाशित	संशोधित	स्थान
07.12.2023	09.12.2023	दाहोद डिपो

अन्य सभी नियम एवं शर्तें यथावत रहेंगी. अधिक जानकारी के लिये कृपया सामग्री प्रबंधन विभाग की पश्चिम रेलवे वेबसाइट अर्थात www.wr.indianrailways.gov.in के साथ ही साथ www.ireps.gov.in ई-नीलामी पोर्टल का अवलोकन करें.

(एसाIII/नीलामी कार्यक्रम-2/दिसंबर – 2023 दि. 01.12.2023) 0914

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly • हमें फॉलो करें: twitter.com/WesternRly

मालिक, मुद्रक-प्रकाशक व सम्पादक : लक्ष्मीचन्द जी. अग्रवाल द्वारा ब्रिजाशा ऑफसेट, सरसपुर, अहमदाबाद में मुद्रित करवाकर, स्वेतप्रित बिल्डिंग, खासवाड़ी, बहुचराजी रोड़, वड़ोदरा से प्रकाशित किया। प्रातःकालीन E-mail: janhitaishi@yahoo.co.in Mob.9375504122 R.N.I. 64278/96